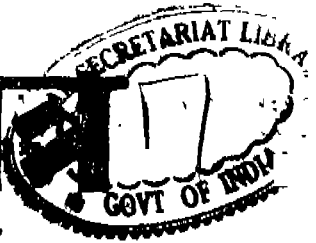


भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 16] नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 22, 1978 (वैशाख 2, 1900)
No. 16] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 22, 1978 (VAISAKHA 2, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

विषय-सूची

पृष्ठ	पृष्ठ
भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों में सम्बन्धित अधिसूचनाएं	जारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं) 885
341	भाग II—खंड 3—उपखंड (ii)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं 11
भाग I—खंड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं 509	भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश 79
भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं —	भाग III—खंड 1—महोलेखापरीक्षक, संघ लोक-सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के अधीन तथा संलग्न कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं 2151
भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं 355	भाग III—खंड 2—एकस्व कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिस 281
भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम —	भाग III—खंड 3—मुख्य प्रायुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं 87
भाग II—खंड 2—विधेयक और विधेयकों संबंधी प्रवर समितियों की रिपोर्टें —	भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विधिक अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं 971
भाग II—खंड 3—उपखंड (i)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और	भाग IV—गैर सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस 65

CONTENTS

PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	PAGE 341	(other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	PAGE 885
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	509	PART II—SECTION 3.—SUB. SEC. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	1113
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders, and Resolutions issued by the Ministry of Defence	—	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence ..	79
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence	355	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India ..	2151
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations	—	PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta ..	281
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills	—	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	87
PART II—SECTION 3.—SUB. SEC. (i).—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India	—	PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	971
		PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies	65

भाग I—खण्ड 1

PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आवेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 अप्रैल 1978

सं० 19-प्रेज/78—राष्ट्रपति बिहार पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी धीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री रामजी सिंह,
कांस्टेबल,
मुंगेर,
बिहार।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

13/14 फरवरी, 1975 की रात्रि को यह सूचना मिलने पर कि कुछ डाकू एक मकान में जमा हैं, मोगरी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने दो उप-निरीक्षकों और श्री रामजी सिंह के नेतृत्व में एक टुकड़ी सहित एक छापामार दल का आयोजन किया। मकान पर पहुंचने पर श्री रामजी सिंह एक कांस्टेबल के साथ, उत्तर तथा पूर्व से अपराधियों को घेरने के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के साथ गए। जब छापामार दल ने अपराधियों को खलकारा तो उनमें से एक ने, जो दरवाजे की रक्षा कर रहा था, पुलिस दल पर गोली चला दी। मुठभेड़ के दौरान अपराधियों ने बचकर भाग निकलने का प्रयास किया किन्तु श्री रामजी सिंह, अपने जीवन के खतरे को बिस्कुत परवाह किये बिना भागते हुए अपराधियों में से एक पर झपटे और हाथपाई के बाव उस पर काबू पा लिया। अपराधियों में से एक ने पुलिस दल पर गोली चलाई जिससे उनमें से दो जखमी हो गये। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के आदेश पर ही श्री रामजी सिंह ने तब अपराधियों पर गोली चलाई और उनको मार गिराने में सफल हो गए। उनमें से एक घटनास्थल पर ही हत्याहत हो गया और दूसरे की अस्पताल ले जाते समय मृत्यु हो गई।

इस प्रकार श्री रामजी सिंह ने इस कार्रवाई के दौरान बड़े साहस, दृढ़-निश्चय और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2 यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अन्तर्गत धीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 14 फरवरी, 1975 से दिया जाएगा।

नई दिल्ली, दिनांक 12 अप्रैल 1978

सं० 20-प्रेज/78—राष्ट्रपति मणिपुर राइफल के निम्नांकित अधिकारी को उसकी धीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री एस० इबोतोम्बी सिंह,
जमादार,
5वीं बटालियन, मणिपुर राइफल,
मणिपुर।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

11 मार्च, 1977 को भारत-बर्मा सीमा के पास 5वीं बटालियन मणिपुर राइफल की लोकबाओं चौकी के चौकी कमाण्डर को सूचना

मिली कि स्वचालित हथियारों से लैस विद्रोहियों का एक बड़ा गिरोह चौकी के चारों ओर घने जंगलों से लोकबाओं नदी को पार करने वाला है। कमाण्डर ने तुरन्त एक टुकड़ी भेजी जिसमें जमादार एस० इबोतोम्बी सिंह और 7 अन्य व्यक्ति थे। एक अन्य टुकड़ी भी दूसरी दिशा में भेजी गयी ताकि बचकर भाग निकलने के उनके रास्ते को रोका जा सके। दोपहर लगभग 12 बजकर 15 मिनट पर जमादार एस० इबोतोम्बी सिंह के नेतृत्व वाले दल ने लगभग 15 गज की दूरी पर आधुनिक हथियारों से लैस 50 विद्रोहियों के एक गिरोह को देखा। हालांकि उनके दल की संख्या बुशमन से बहुत कम थी फिर भी जमादार एस० इबोतोम्बी सिंह ने तत्काल अपने जवानों से विद्रोहियों पर दूट पड़ने को कहा। मुठभेड़ में नायक तोम्बा सिंह और राइफलमैन पाओगिनमैंग ने अपनी साइट मशीनगन से बड़ी सुरुआत और प्रभावपूर्ण गोलीबारी की और उन्हें संगठित होने तथा जमादार एस० इबोतोम्बी सिंह की घात टुकड़ी पर आक्रमण न करने दिया। राइफलमैन दामहेन और थोमस ने बड़ी होशियारी से हथगोले फेंके जिससे विद्रोहियों का मनोबल कांप उठा और यह देखकर कि मणिपुर राइफल के जवान अपने आक्रमण में दृढ़ हैं, विद्रोही भाग छड़े हुए। इस मुठभेड़ में एक विद्रोही मारा गया। जमादार एस० इबोतोम्बी सिंह ने अपने जवानों को समय खोये बिना विद्रोहियों का पीछा करने के लिए कहा। जबरदस्त खोज में एक और विद्रोही पकड़ा गया और एक .303 साइट मशीनगन तथा एक .303 राइफल और गोला-बारूद के 400 राउन्ड बरामद किए गए। जमादार एस० इबोतोम्बी सिंह आराम तथा खाने के बगैर और अपनी सुरक्षा की परवाह किये बिना रात को भी बढ़ता से पीछा करते रहे। 12 मार्च, 1977 को बहुत सबेरे वे दो अन्य विद्रोहियों को तथा एक जी० 3 राइफल, 437 राउन्ड गोलाबारूद एक एम-22 चीनी राइफल और अन्य उपकरण तथा वस्त्राज पकड़ने में सफल हो गए। इन पकड़े गए विद्रोहियों से पूछताछ करने पर मुख्यबान सूचना मिली जिसके परिणामस्वरूप और विद्रोही पकड़े गये। सब मिलाकर एक विद्रोही मारा गया और 8 जीवित पकड़े गये तथा इसके अतिरिक्त भारी मात्रा में हथियार तथा गोलाबारूद भी पकड़ा गया।

इस कार्रवाई में जमादार एस० इबोतोम्बी सिंह ने उत्कृष्ट धीरता, अनुकरणीय साहस, संगठन-कुशलता, नेतृत्व, दृढ़-निश्चय तथा उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2 यह पदक राष्ट्रपति का पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत धीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 11 मार्च, 1977 से दिया जाएगा।

सं० 21-प्रेज/78—राष्ट्रपति मणिपुर राइफल के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी धीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री तोम्बा सिंह,
नायक सं० 3009,
5वीं बटालियन, मणिपुर राइफल,
मणिपुर।

श्री पाओगिनमैंग,
राइफलमैन सं० 5644
5वीं बटालियन, मणिपुर राइफल,
मणिपुर।
श्री थोमस,
राइफलमैन सं० 5427,
5वीं बटालियन, मणिपुर राइफल,
मणिपुर।
श्री दामहेन,
राइफलमैन सं० 5454,
5वीं बटालियन, मणिपुर राइफल,
मणिपुर।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

11 मार्च, 1977 को भारत-बर्मा सीमा के पास 5वीं बटालियन मणिपुर राइफल की लोकशाओ चौकी के चौकी कमाण्डर को सूचना मिली कि स्वतंत्रता हथियारों से लेस विद्रोहियों का एक बड़ा गिरोह चौकी के चारों ओर घने जंगलों में लोकशाओ नदी को पार करने वाला है। चौकी कमाण्डर ने तुरन्त एक टुकड़ी भेजी जिसमें जमादार एस० इबोतोम्बी सिंह और 7 अन्य व्यक्ति थे। एक अन्य टुकड़ी भी दूसरी दिशा में भेजी गई ताकि बचकर भाग निकलने के उनके रास्ते को रोक जा सके। दोपहर लगभग 12 बजकर 15 मिनट पर जमादार एस० इबोतोम्बी सिंह के नेतृत्व वाले दल ने लगभग 15 गज की दूरी पर आधुनिक हथियारों से लेस 50 विद्रोहियों के एक गिरोह को देखा। हालांकि उनके दल की संख्या बहुत कम थी, जमादार एस० इबोतोम्बी सिंह ने तत्काल अपने जवानों से विद्रोहियों पर टूट पड़ने को कहा। मुठभेड़ में नायक तोम्बा सिंह और राइफलमैन पाओगिनमैंग ने अपनी लाइट मशीनगन से बड़ी सूनभूम और प्रभावपूर्ण गोलीबारी की और उन्हें संगठित होने तथा जमादार एस० इबोतोम्बी सिंह की बात टुकड़ी पर आक्रमण न करने दिया। राइफलमैन दामहेन और थोमस ने बड़ी हौशियारी से हथगोले फेंके जिससे विद्रोहियों का मनोबल कांप उठा और यह देखकर कि मणिपुर राइफल के जवान अपने आक्रमण में बूढ़े हैं, विद्रोही भाग खड़े हुए। इस मुठभेड़ में एक विद्रोही मारा गया। जमादार एस० इबोतोम्बी सिंह ने अपने जवानों को समय खोये बिना विद्रोहियों का पीछा करने के लिए कहा। जबरदस्त छोज में एक और विद्रोही पकड़ा गया और एक .303 लाइट मशीनगन तथा एक .303 राइफल और गोलाबारूद के 400 राउन्ड बरामद किए गए। वे बिना भोजन तथा विश्राम के दिन-रात पीछा करते रहे। 12 मार्च, 1977 को बहुत सवेरे वे दो और विद्रोहियों को, गोला-बारूद के 437 राउन्ड के साथ एक जी-3 राइफल, एक एम-22 चीनी राइफल और अन्य उपस्कर तथा दस्तावेज सहित पकड़ने में सफल हुए। पकड़े गए विद्रोहियों से पूछताछ करने पर मूल्यवान सूचना मिली जिसके परिणामस्वरूप और विद्रोही पकड़े गए। इस पूरी कार्यवाही में एक विद्रोही मारा गया और 8 जीवित पकड़े गए इसके अलावा, बहुत से हथियार और गोला बारूद भी बरामद किया गया।

इस कार्रवाई में श्री तोम्बा सिंह, श्री पाओगिनमैंग, श्री थोमस, और श्री दामहेन ने वीरता, श्रद्धा, पहलवर्षित तथा उच्चकोटि की कर्तव्य-परायणता का परिचय दिया।

2. ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिये जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 11 मार्च, 1977 से दिया जाएगा।

सं० 22-प्रेज/78—राष्ट्रपति अमम पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री राजेन्द्र नाथ बजबोराह,

(स्वर्णिय)

पुलिस उप-निरीक्षक,
कछार डी० ई० एफ०,
असम।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

26 अप्रैल, 1977 को राजि के लगभग 2.30 बजे उपनिरीक्षक राजेन्द्र नाथ बजबोराह एक पुलिस दल के साथ कुछ अपेक्षित अभियुक्तों को गिरफ्तार करने के लिए गांव धानीपुर गये। पुलिस दल अपेक्षित अभियुक्तों को गिरफ्तार करने में सफल हो गया परन्तु उनमें से एक भाग निकला। जब पुलिस दल गिरफ्तार व्यक्तियों को लेकर घाने वापस आते हुए माजिर ग्राम पहुँचा तो श्री राजेन्द्र नाथ बजबोराह को सूचना मिली कि बांछित व्यक्ति अपने मकान में वापिस आ गया है और बुराई गई वस्तुएं भी उसके मकान में रखी हुई हैं। गिरफ्तार व्यक्तियों को, दल के बाकी सदस्यों की हिरासत में छोड़कर श्री बजबोराह एक सहायक उप-निरीक्षक तथा दो कांस्टेबलों के साथ धानीपुर वापस आ गए। जब पुलिस दल अभियुक्त के मकान पर पहुँचा तो वह भाला लेकर बाहर आया और उसने पुलिस दल को चुनौती दी। कुछ अन्य व्यक्ति भी उसके साथ हो गये, वे सब भी भागों से लैस थे। आक्रमणकारियों की अधिक संख्या होने के बावजूब अपनी सुरक्षा की परवाह किये बिना श्री बजबोराह अपराधी को गिरफ्तार करने के लिए तुरन्त आगे बढ़े परन्तु अपराधी श्री बजबोराह की छाती में भाले का प्रहार करने में सफल हो गया। अन्य अपराधियों ने श्री धीरेश चन्द्र नाथ पर हमला कर दिया जिसके परिणाम-स्वरूप उनके गरीर पर गम्भीर चोटें आईं। श्री राजेन्द्र नाथ बजबोराह की धावों के कारण घटना स्थल पर मृत्यु हो गई। किन्तु बाद में गांव वालों ने अपराधियों को काबू में कर लिया।

इस प्रकार श्री राजेन्द्र नाथ बजबोराह ने अनुकरणीय साहस, नेतृत्व, दृढ़-निश्चय और उच्चकोटि की कर्तव्य-परायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 26 अप्रैल, 1977 से दिया जाएगा।

सं० 23-प्रेज/78—राष्ट्रपति पश्चिम बंगाल पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री लोकनाथ बर्मन,
कांस्टेबल सं० 1152,
जिला सशस्त्र पुलिस,
जलपाईगुड़ी,
पश्चिम बंगाल।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

11 मई, 1975 को थाना मोयनागुड़ी के सहायक उप-निरीक्षक के नेतृत्व में एक गश्ती दल को एक कुख्यात डाकू, जिसकी बहुत से अपराधों के मामले में तलाश थी, का पता लगाने के लिए देबावाड़ी तथा जबरामाली गांव में गश्त लगाने के लिए तैनात किया गया। पुलिस दल देबावाड़ी गांव में सायं लगभग 11.30 बजे पहुँचा तथा स्थानीय प्रतिरोधी दल के स्वयं सेवकों के साथ मिल गया, जो पहले से ही गांव में गश्त लगा रहे थे। गश्त के दौरान उन्होंने धरामकुड़ी नदी की दूसरी तरफ जबरामाली में गोलीबारी की आवाजें सुनीं। पुलिस दल प्रतिरोधी दल के चार सदस्यों के साथ तुरन्त जबरामाली गया और नदी के किनारे कुछ गांव वालों को सशस्त्र डाकुओं के एक गिरोह का पीछा करते हुए देखा। पुलिस दल को आता देख कर डाकुओं ने गोलीबारी शुरू कर दी। इससे पहले कि पुलिस दल कार्यवाही कर सके वे स्थानीय प्रतिरोधी दल के एक सदस्य को हताहत करने में सफल हो गये, जिसकी बाद में अस्पताल में मृत्यु हो गई। हालांकि पुलिस दल के अन्य सदस्य तथा प्रतिरोधी दल डाकुओं द्वारा की जा रही भारी गोलीबारी के कारण पीछे

हट गये, कांस्टेबल लोकनाथ बर्मन दृढ़तापूर्वक डटे रहे और जवाब में गोली चलाते रहे। उन्होंने 9 गोलियां चलाई और डाकुओं में से एक को गोली मारने में सफल हो गये जिसकी वहीं पर मृत्यु हो गई। अन्य डाकू बचकर भाग निकलने में सफल हो गये। मारा गया डाकू वही भागा हुआ डाकू था और उसकी मृत्यु के साथ ही डाकुओं का पूरा गिरोह अन्ततः समाप्त हो गया।

श्री लोकनाथ बर्मन ने साहस, दृढ़ता, धैर्य और उच्चकोटि की कर्तव्य-परायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 11 मई, 1975 से दिया जाएगा।

के० सी० मादप्पा, राष्ट्रपति के सचिव

विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 13 मार्च 1978

संकल्प

सं० एम० (हज०) 118-1/13/77—भारत सरकार ने वर्ष 1978 के लिये केन्द्रीय हज सलाहकार बोर्ड का पुनर्गठन किया है जिसमें नीचे लिखे सदस्य होंगे।

1. श्री टी० ओ० बाबा
2. श्री गुलाम मुहम्मद भट्ट
3. श्रीमती रशीदा हक चौधरी, संसद सदस्य
4. मौलाना सैयद अहमद हाथमी, संसद सदस्य
5. अलहज श्री एम० ए० हनान, संसद सदस्य
6. श्री के० पी० हसन हाजी
7. श्री एम० एम० हाशिम, संसद सदस्य
8. श्री सी० इब्राहिम
9. श्री एम० एस० अब्दुल खादेर, संसद सदस्य
10. श्री हाथूर अली खान, संसद सदस्य
11. श्री महमूद हसन खान, संसद सदस्य
12. मौलाना मुहम्मद इरफान खान
13. श्री शमसूल हसन खान, संसद सदस्य
14. हाजी करमतुल्ला खान
15. श्री एस० ए० मेहदी
16. श्री मोहम्मद अली मीठा
17. श्री एम० ओ० एच० फारुक मारीकर
18. श्री अब्दुल हमीद रहमानी
19. श्री जेड० जी० रंगूनवाला
20. श्री गुलाम सरवर
21. श्री हमीद अली शमनाद, संसद सदस्य
22. श्री नफीस अहमद सिद्दीकी
23. श्री अहमद बक्श सिन्धी
24. श्री ए० यू० शेख
25. श्री मुहम्मद युसुफ
2. श्री अलहज श्री एम० ए० हनान इस बोर्ड के अध्यक्ष होंगे।

3. विदेश मंत्रालय में हज कार्य से सम्बद्ध संयुक्त सचिव, बोर्ड के पदेन सचिव एवं संयोजक होंगे।

4. यह बोर्ड पहले की भांति ही भारत सरकार को हज एवं जिआरत से सम्बद्ध मामलों पर परामर्श देगा।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक एक प्रति भारत सरकार के सभी मंत्रालयों, प्रधान मंत्री कार्यालय, मंत्रीमंडल सचिवालय, संसद कार्य विभाग, लोक सभा, और राज्य सभा सचिवालय, सभी राज्य सरकारों, केन्द्र प्रशासित क्षेत्रों, हज समिति बम्बई, सभी हज समितियों और मेसर्स मुगल लाइन लिमिटेड बम्बई को सूचनाार्थ भेज दी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये।

एस० शहाबुद्दीन, संयुक्त सचिव (हज)

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 31 मार्च 1978

सं० 10 (2)-बी० ओ०-III/77—भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, (बैंकिंग प्रभाग) की दिनांक 28 दिसम्बर, 1977 की अधिसूचना संख्या 10(2) बी० ओ०-III/77 के सिलसिले में, सरकार, एक व्यक्ति समिति (बैंकिंग विधि समिति) की अवधि को 30 जून, 1978 तक सहर्ष और बढ़ाती है।

बलदेव सिंह, संयुक्त सचिव

वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 मार्च 1978

संकल्प

सं० I-12013(1)/77-प्लॉट (ए)—भारत के राजपत्र, असाधारण, दिनांक 3 फरवरी, 1978 में प्रकाशित, दिनांक 3 फरवरी, 1978 के वाणिज्य मंत्रालय के संकल्प सं० I-12013(1)/77-प्लॉट (ए) की कंडिका 2 तथा 3 में निम्नोक्त संशोधन/परिवर्तन किये जायेंगे :—

कंडिका 2(ख)(2) तथा (5) में विद्यमान प्रावृष्टियों के स्थान पर निम्नोक्त प्रतिस्थापित की जायेंगी,

- (1) श्री बी० के० दत्त,
अध्यक्ष, टाटा फिनले लिमिटेड,
2, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता।

- (5) श्री सी० प्रभाकरन,
द्वारा अस्पिनवाल एंड कम्पनी लिमिटेड,
पोस्ट बाक्स नं० 2,
कोचीन-682001।

कंडिका 3 के अन्त में निम्नोक्त जोड़ा जायेगा,

“समिति को अन्य सदस्यों को सहयोजित करने का अधिकार होगा।”

आदेश

आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये।

श्रीमती कोमल आनन्द उप सचिव

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 16 मार्च 1978

संकल्प

सं० ई०-11015(5)/77-हि० अ०—भारत सरकार ने उद्योग मंत्रालय के लिए एक हिन्दी सलाहकार समिति गठित करने का निर्णय किया है। इस समिति का गठन, कार्य आदि निम्नलिखित होंगे—

- | | |
|-----------------------------------|------------|
| 1. श्री जगज्जल्लिन्स | अध्यक्ष |
| उद्योग मंत्री | |
| 2. श्रीमती आभा माईति | उपाध्यक्ष |
| राज्य मंत्री | |
| 3. ठाकुर रमापति सिंह, | सदस्य |
| सदस्य, लोक सभा | |
| 4. श्री मदन लाल शुक्ल, | " |
| सदस्य, लोक सभा | |
| 5. श्री गणेश लाल माली, | " |
| सदस्य, राज्य सभा | |
| 6. श्री श्याम लाल गुप्त, | " |
| सदस्य, राज्य सभा | |
| 7. श्री कृष्ण चन्द्र, विश्वासकार, | " |
| सम्पादक "विस्त", नई दिल्ली | |
| 8. श्री अमृत राय, हंस प्रकाशन | " |
| इलाहाबाद | |
| 9. डा० राम बरज मिश्र, | " |
| दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली | |
| 10. श्री उमाशंकर ओषी, | " |
| 26, सेतु, सरदार पटेल नगर, | |
| अहमदाबाद | |
| 11. श्री रमा प्रसन्न नायक, | पदेन सदस्य |
| सचिव राजभाषा विभाग तथा | |
| भारत सरकार के हिन्दी सलाहकार | |
| 12. श्री श० श्री मराटे, | " |
| सचिव (औद्योगिक विकास विभाग) | |
| 13. श्री बी० कृष्णामूर्ति, | " |
| सचिव (भारी उद्योग विभाग) | |
| 14. क्रिगेडियर बी० जे० शाहूली, | " |
| सचिव (तकनीकी विकास) तथा | |
| तकनीकी विकास के महानिदेशक | |
| 15. श्री एस० कुमार, | " |
| अध्यक्ष, औद्योगिक लागत एवं मूल्य | |
| ब्यूरो | |
| 16. श्री एम० ए० रंगास्वामी, | " |
| विशेष सचिव, | |
| औद्योगिक विकास विभाग | |
| 17. श्री जी० बी० रामाकृष्णा, | " |
| अपर सचिव, | |
| औद्योगिक विकास विभाग | |
| 18. श्री एस० जे० कोएलो | " |
| संयुक्त सचिव, | |
| औद्योगिक विकास विभाग | |
| 19. श्री बी० आर० आर० आर्यगार, | " |
| संयुक्त सचिव, | |
| औद्योगिक विकास विभाग | |

- | | |
|--------------------------------------|------------|
| 20. श्री नरेश चन्द्र, | पदेन सदस्य |
| संयुक्त सचिव, | |
| भारी उद्योग विभाग | |
| 21. श्री आई० सी० पुरी | " |
| विकास आयुक्त, | |
| लघु उद्योग | |
| 22. डा० बिमल जालान, | " |
| आर्थिक सलाहकार | |
| 23. श्री पी० एस० कृष्णन्, | " |
| अध्यक्ष, भारतीय हस्तशिल्प बोर्ड | |
| 24. श्री मणि नारायणस्वामी, | " |
| हथकरघा विकास आयुक्त | |
| 25. श्री के० श्रीनिवासन, | " |
| अध्यक्ष, | |
| राष्ट्रीय बस्त्र निगम | |
| 26. श्री जी० एन० मेहरा | सदस्य-सचिव |
| हिन्दी कार्य के प्रभारी संयुक्त सचिव | |
| (औद्योगिक विकास विभाग) | |

2. कार्य : इस समिति का कार्य उद्योग मंत्रालय तथा उसके सम्बद्ध एवं अधीनस्थ कार्यालयों को सरकारी काम-काज में हिन्दी के प्रगामी प्रयोग से सम्बन्धित विषयों तथा गृह मंत्रालय द्वारा निर्धारित नीति संबंधी बाबों के अन्तर्गत आने वाले मामलों पर सलाह देना होगा।

3. कार्य-काल :

समिति का कार्यकाल उसके गठन की तारीख से तीन वर्षों का होगा बशर्ते कि—

- (क) कोई भी सदस्य, जो सदस्य सदस्य है, सदस्य का सदस्य न रहते ही वह इस समिति का सदस्य भी नहीं रहेगा।
- (ख) समिति के पदेन-सदस्य उस समय तक सदस्य बने रहेंगे जब तक कि वे अपने उन पदों पर हैं जिनके कारण वे समिति के सदस्य हैं।
- (ग) यदि किसी सदस्य ने त्यागपत्र देना, मृत्यु आदि के कारण समिति में कोई स्थान रिक्त होता है तो उसके स्थान पर नियुक्त किया गया सदस्य शेष अवधि के लिए सदस्य रहेगा।

4. सामान्य : (1) समिति आवश्यक समझे जाने पर अतिरिक्त सदस्यों को सहयोजित कर सकती है और अपनी बैठकों में भाग लेने के लिए विशेषज्ञों को आमन्त्रित कर सकती है अथवा उप-समितियाँ नियुक्त कर सकती है।

(2) समिति का प्रधान कार्यालय नई दिल्ली में होगा, किन्तु समिति अपनी बैठकें किसी अन्य स्थान पर भी कर सकती है।

5. यात्राभत्ता तथा अन्य भत्ते :

गैर सरकारी सदस्यों को समिति तथा उप समितियों की बैठकों में समय-समय पर भाग लेने के लिए सरकार द्वारा निश्चित दरों पर यात्रा-भत्ता तथा दैनिक भत्ता दिया जायेगा।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति भारत सरकार के सभी मंत्रालयों तथा विभागों, प्रधान मंत्री सचिवालय, मंत्रिमण्डल सचिवालय, संसदीय कार्य विभाग, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, योजना आयोग, राष्ट्रपति सचिवालय, भारत के नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक और औद्योगिक विकास विभाग के वेतन लेखा कार्यालय को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया गया कि इस संकल्प को जन साधारण की जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित कराया जाए।

पी० सी० नायक, संयुक्त सचिव

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

सिंचाई विभाग

नई दिल्ली-110001, दिनांक 27 मार्च, 1978

शुद्धि-पत्र

सं० 21/9/71-डी० डब्ल्यू० (एन०) आई० टी०—इस मंत्रालय के संकल्प संख्या 21/9/71-डी० डब्ल्यू० (एन०) आई० टी० खंड दो, दिनांक 18-1-78 में आंशिक संशोधन करते हुए क्रम संख्या 6 में सचिव, वित्त विभाग, राजस्थान सरकार के बाद निम्नलिखित पंक्ति जोड़ दी जाए।

“(अथवा उनके द्वारा किसी विशिष्ट बैठक में भाग लेने के लिए भेजा गया कोई अधिकारी)”

आदेश

आदेश दिया जाता है कि यह शुद्धि-पत्र सम्बन्ध राज्य सरकारों, वित्त मंत्रालय, गृह मंत्रालय, कृषि मंत्रालय और योजना आयोग को सूचनार्थ भेज दिया जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए और सम्बन्धित राज्य सरकारों से अनुरोध किया जाए कि आम सूचना के लिए इसे राजपत्रों में प्रकाशित किया जाए।

ओ० पी० चट्टा, संयुक्त सचिव

शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 22 मार्च, 1978

संकल्प

सं० एफ० 7-4/77-ईस्क-I (भाषा)—हिन्दी शिक्षा समिति का पुनर्गठन पिछली बार इस मंत्रालय के संकल्प संख्या एफ० 7-2(3)/74-ईस्क-I (भाषा), दिनांक 29-4-1975 द्वारा किया गया था। पुनर्गठित समिति का कार्यकाल 31-12-1977 को समाप्त हो जाने पर समिति का एतद्वारा निम्न प्रकार से आगे पुनर्गठन किया जाता है :—

I. गठन

- | | |
|--|-----------|
| 1. शिक्षा, समाज कल्याण तथा संस्कृति मंत्री | अध्यक्ष |
| 2. राज्य मंत्री (शिक्षा विभाग) | उपाध्यक्ष |
| 3. लोक सभा के अध्यक्ष द्वारा नामित चार सदस्य | सदस्य |
| (1) श्री बी० जी० हाण्डे | |
| (2) श्री एम० बी० कुण्डण्णा | |
| (3) डा० रामजी सिंह | |
| (4) श्री बृज भूषण तिवारी | |
| 4. राज्य सभा के सभापति द्वारा नामित दो सदस्य | सदस्य |
| (1) श्री जगदीश जोशी | |
| (2) प्रो० रामलाल परीख | |
| 5. शिक्षा सचिव | सदस्य |
| 6. भारत सरकार के हिन्दी सलाहकार | सदस्य |
| 7. शिक्षा विभाग में भाषाओं के प्रभारी | सदस्य |
| (संयुक्त सचिव/संयुक्त शिक्षा सलाहकार) | |
| 8. अध्यक्ष, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग | सदस्य |
| 9. अध्यक्ष, केन्द्रीय हिन्दी शिक्षण मंडल, | सदस्य |
| आगरा | |

10. अहिन्दी भाषी राज्यों की सरकारों द्वारा नामित सदस्य
एक-एक प्रतिनिधि

11. निम्नलिखित स्वेच्छिक हिन्दी संस्थाओं का सदस्य
एक-एक प्रतिनिधि

- (1) अखिल भारतीय हिन्दी संस्था संघ, नई दिल्ली
- (2) दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास
- (3) हिन्दी साहित्य सम्मेलन, इलाहाबाद
- (4) राष्ट्र भाषा प्रचार समिति, धर्मा
- (5) असम राष्ट्रभाषा सेवक संघ, गोहाटी
- (6) हिन्दी शिक्षक संघ, डेहरादून, कटक, उड़ीसा।

12. तीन प्रमुख हिन्दी विद्वान सदस्य

- (1) प्रोफेसर सुन्दर रेड्डी,
आन्ध्र विश्वविद्यालय
- (2) प्रोफेसर आर० एस० तोमर,
विश्वभारती, शास्तिनिकेतन
- (3) आचार्य विश्वनाथ प्रसाद,
विक्रम विश्वविद्यालय (सेवा निवृत्त)
वाणी बितान, ब्रह्मताल, बाराणसी।

13. भाषा विज्ञान के दो विशेषज्ञ सदस्य

- (1) डा० बी० जी० मिश्रा,
केन्द्रीय हिन्दी संस्थान,
अरविन्द आश्रम मार्ग,
नई दिल्ली।
- (2) प्रोफेसर आर० एन० श्रीवास्तव, अध्यक्ष,
भाषा विज्ञान विभाग,
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

14. शिक्षा विभाग में भाषाओं के प्रभारी निदेशक/ सदस्य-सचिव
उप सचिव/उप शिक्षा सलाहकार
स्थायी रूप से आमंत्रित—

- (1) अवैतनिक परामर्शदाता, वैज्ञानिक तथा तकनीकी
शब्दावली आयोग/शिक्षा और समाज
कल्याण मंत्रालय

- (2) निदेशक, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा
- (3) अपर निदेशक, केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय,
नई दिल्ली

अध्यक्ष की अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष समिति को बैठकों की अध्यक्षता करेंगे।

II. कार्यकाल

समिति के सदस्यों का कार्यकाल सामान्यतः 31 दिसम्बर, 1980 तक होगा, बशर्ते कि :

- (1) धारा 3 तथा 4 के अन्तर्गत नामित सदस्य, संसद का सदस्य न रहने पर समिति का सदस्य नहीं रहेगा।
- (2) समिति के पदेन सदस्य तब तक नवस्य रहेंगे जब तक कि वे उस पद पर कार्य करते रहें जिसके आधार पर उन्हें समिति की सदस्यता दी गई है।
- (3) अन्य मनोनीत सदस्य भारत सरकार की इच्छानुसार ही अपने अपने पदों पर कार्य करेंगे।
- (4) यदि किसी सदस्य के त्यागपत्र, मृत्यु आदि के कारण समिति में कोई स्थान रिक्त होता है तो उस रिक्त स्थान पर नियुक्त किया गया सदस्य 3 वर्ष की शेष अवधि तक कार्य करेगा।

III. गणपूर्ति (कोरम)

समिति की बैठकों के लिए गणपूर्ति (कोरम) समिति के कुछ सदस्यों का एक तिहाई होगा।

कार्य

समिति, देश में हिन्दी के प्रचार और प्रसार के नीति संबंधी मामलों पर भारत सरकार को सलाह देगी।

कार्यकारिणी उप-समिति

अपने विभिन्न कार्यों को प्रभावी रूप से चलाने के लिए समिति एक कार्यकारिणी उप समिति नियुक्त कर सकती है। साधारणतः इस उप समिति में 15 सदस्य होंगे जो कि अध्यक्ष द्वारा नामित किए जाएंगे। समिति के उपाध्यक्ष उप समिति के अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे। उप समिति के अध्यक्ष को समिति के सदस्यों में से अथवा बाहर से ऐसे व्यक्तियों को सहयोगित करने का अधिकार होगा जो देश में हिन्दी के प्रचार और प्रसार की समस्याओं से संबंध में विशेष जानकारी तथा अनुभव रखते हों।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस सकल्प की एक प्रति सभी अहिन्दी भाषी राज्यों, प्रधान मंत्री सचिवालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, संसद कार्य विभाग, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, योजना आयोग, राष्ट्रपति सचिवालय तथा भारत सरकार के सभी मन्त्रालयों तथा विभागों को भेज दी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि यह सकल्प भारत सरकार के राजपत्र में सर्वसाधारण की सूचना के लिए प्रकाशित किया जाए।

केवल कृष्ण सेठी, निदेशक (भाषाएँ)

(समाज कल्याण विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 29 मार्च, 1978

सकल्प

सं० एफ०-2-1/77 डब्ल्यू० डब्ल्यू०—सकल्प सख्या 2-1/77 डब्ल्यू० डब्ल्यू० दिनांक 21 जनवरी, 1978 के पैरा 4 में दिए अनुसार महिलाओं से सम्बद्ध राष्ट्रीय समिति की संरचना के आंशिक आशोधन में श्रीमती जयश्री बनर्जी, समाज कल्याण मंत्री, मध्य प्रदेश भोपाल, को श्री पवन दीवान, जिनका विभाग बदल गया है, के स्थान पर मनोनीत किया जाता है।

पदमा रामचन्द्रन, संयुक्त सचिव

इस्पात और खान मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 अप्रैल, 1978

नियमावली

सं० ए० 12025/1/78-एम० II—निम्नलिखित रिक्त पदों को भरने के लिए 1978 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा की नियमावली कृषि और सिंचाई मंत्रालय की सहमति से सर्वसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित की जाती है:—

वर्ग I (भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण, इस्पात और खान मंत्रालय के पद)

- (i) भूविज्ञानी (कनिष्ठ) ग्रुप क और
- (ii) सहायक भूविज्ञानी ग्रुप ख

वर्ग II—(केन्द्रीय भू-जल बोर्ड, कृषि और सिंचाई मंत्रालय के पद)

- (i) कनिष्ठ जल-भू-विज्ञानी ग्रुप क
- (ii) सहायक जल-भू-विज्ञानी ग्रुप ख

1. उम्मीदवार उपर्युक्त पद-वर्गों में से किसी एक या दोनों के लिए प्रतियोगी हो सकता है। उसे अपने आवेदन-पत्र में उन पदों का स्पष्ट रूप से उल्लेख करना चाहिए जिनके लिए वह वरीयता-क्रम में विचार किये जाने का इच्छुक है।

जिन पद वर्ग(वर्गों) के लिए उम्मीदवार परीक्षा में बैठ रहा है उनके सम्बन्ध में उम्मीदवार द्वारा निर्दिष्ट वरीयताओं के परिवर्तन सम्बन्धी किसी अनुरोध पर जब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक कि इस प्रकार के परिवर्तन से सम्बद्ध अनुरोध 30 नवम्बर, 1978 को या उससे पहले संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्राप्त न हो जाए।

2. उक्त परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्तियाँ शुरू में अस्थायी रूप में की जाएंगी। जैसे ही स्थायी रिक्तियाँ होंगी उम्मीदवार अपनी तारी में स्थायी रूप से नियुक्त कर दिए जाएंगे।

3. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी किये गये नोटिस में निर्दिष्ट की जाएगी। अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए रिक्तियों के आरक्षण सरकार द्वारा निर्धारित रूप में किए जाएंगे।

अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों का अर्थ संविधान (अनुसूचित जातियाँ) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जन जातियाँ) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जातियाँ) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951, संविधान (अनुसूचित जन जातियाँ) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951; [अनुसूचित जातियाँ तथा अनुसूचित जन जातियाँ सूचियाँ (आशोधन) आदेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 और अनुसूचित जातियाँ तथा अनुसूचित जन जातियाँ आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1978 द्वारा यथा संशोधित] संविधान (अम्मु व कश्मीर) अनुसूचित जातियाँ आदेश, 1956, अनुसूचित जातियाँ तथा अनुसूचित जन जातियाँ आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश, 1959, संविधान (दादरा व नागर हवेली) अनुसूचित जातियाँ आदेश, 1962; संविधान (दादरा व नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश 1962, संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियाँ आदेश, 1964, संविधान (अनुसूचित जातियाँ) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967; संविधान (गोआ, दमन तथा दियु) अनुसूचित जातियाँ आदेश, 1968; संविधान (गोआ, दमन तथा दियु) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश, 1968; और संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश, 1970; में उल्लिखित जातियों/जन जातियों में से कोई एक है।

4. आयोग द्वारा यह परीक्षा उन नियमों के परिशिष्ट I में निर्धारित गति से आयोजित की जाएगी।

परीक्षा कब और कहां होगी, यह आयोग द्वारा निश्चित किया जाएगा।

5. कोई उम्मीदवार या तो:—

- (क) भारत का नागरिक हो, या
- (ख) नेपाल की प्रजा हो, या
- (ग) भूटान की प्रजा हो, या
- (घ) भारत में स्थायी निवास के हरादे से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत आया हुआ ताम्बती शरणार्थी हो, या
- (ङ) भारत में स्थायी निवास के हरादे से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, कोनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य टंजानिया के पूर्वी अफ्रीकी देशों या जाम्बिया, मलावी, ज़ेरे, हयियोपिया और बियतनाम से प्रजनन कर आया हुआ मूलतः भारतीय व्यक्ति हो,

किन्तु शर्त यह है कि उपर्युक्त वर्ष (ख), (ग), (घ) और (ङ) से सम्बद्ध उम्मीदवार को सरकार ने पात्रता प्रमाण पत्र प्रदान कर दिया हो।

जिस उम्मीदवार के मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो, उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है; किन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव केवल तभी दिया जा सकता है जब भारत सरकार द्वारा उसे आवश्यक पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिया गया हो।

6. (क) इस परीक्षा के उम्मीदवार की आयु 1 जनवरी, 1978 को 21 वर्ष हो चुकी हो किन्तु 30 वर्ष पूरी न हुई हो अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी, 1948 से पहले और 1 जनवरी, 1957 के बाद न हुआ हो।

(ख) यदि निम्नलिखित शर्तों के सरकारी कर्मचारी नीचे के कालम I में उल्लिखित किसी विभाग में नियोजित हैं और यदि वे कालम II में उल्लिखित समरूपी पद (पदों) हेतु आवेदन करते हैं तो उनके मामले में ऊपरी आयु-सीमा में 7 वर्ष की छूट दी जाएगी।

कालम I	कालम II
भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण	भूविज्ञानी (कनिष्ठ) ग्रुप क सहायक जल-भूविज्ञानी ग्रुप ख
केंद्रीय भू-जल बोर्ड	कनिष्ठ जल-भूविज्ञानी, ग्रुप क सहायक जल-भूविज्ञानी ग्रुप ख

(ग) निम्नलिखित स्थितियों में ऊपर निर्धारित ऊपरी आयु सीमा में और छूट दी जाएगी :—

- यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो तो अधिक से अधिक पांच वर्ष तक ;
- यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रत्यावर्तित होकर भारत आ गया था, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक ;
- यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का है और भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है तथा 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रत्यावर्तित होकर भारत आ गया था, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक ;
- यदि उम्मीदवार अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित हुआ या होकर आया या आने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष ;
- यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो और अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित हुआ या होकर आया या आने वाला भारतमूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष ;
- यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने कीनिया, उगांडा और तंजानिया संयुक्त गणराज्य से प्रयोजन किया हो या जाम्बिया, मलावी, जेरे और झम्बोम्बिया से प्रत्यावर्तित हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष ;
- यदि उम्मीदवार बर्मा से 1 जून, 1963 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर आया भारत मूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष ;
- यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो और बर्मा से 1 जून, 1963 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर आया भारत मूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष ;

(ix) शत्रु देश के साथ संघर्ष में या अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए रक्षा सेवा के कामियों के मामले में अधिक से अधिक 3 वर्ष ;

(x) शत्रु देश के साथ संघर्ष में या अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए रक्षा सेवा के अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के कामियों के मामले में अधिक से अधिक आठ वर्ष ;

(xi) 1971 के भारत-पाकिस्तान संघर्ष में विकलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए सीमा सुरक्षा दल के कामियों के मामले में अधिक से अधिक तीन वर्ष ; और

(xii) 1971 के भारत-पाकिस्तान संघर्ष में विकलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए सीमा सुरक्षा दल के अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के कामियों के मामले में अधिक से अधिक आठ वर्ष ;

(xiii) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पार पत्र हो) है और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपातकाल का प्रमाण-पत्र है, और जो वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है, तो उसके निम्ने अधिक से अधिक तीन वर्ष।

(xiv) ऐसा उम्मीदवार जो निर्णायक तारीख अर्थात् पहली जनवरी, 1978 को निर्धारित ऊपरी आयु सीमा से अधिक आयु का हो जाता है और जो आन्तरिक सुरक्षा अनुसूचन अधिनियम के अन्तर्गत निरुद्ध किया गया था या 25-6-75 तथा 21-3-77 के बीच की आन्तरिक आपात स्थिति की अवधि के दौरान अभिकथित राजनैतिक कार्य-कलापों या तत्कालीन प्रतिबंधित संगठनों से सम्बन्धित होने के कारण भारत रक्षा तथा आन्तरिक सुरक्षा अधिनियम, 1971 या उसके अन्तर्गत बने नियमों के अधीन गिरफ्तार या कैद हुआ था और इस प्रकार उक्त परीक्षा में प्रवेश हेतु निर्धारित आयु-सीमा के अन्तर होने हुए भी परीक्षा में उपस्थित होने से रोक दिया गया था, इस शर्त पर परीक्षा में बैठने का पात्र होगा कि जून, 1975 और मार्च, 1977 के बीच की अवधि के दौरान वह परीक्षा में कम से कम एक बार भी नहीं नहीं बैठ पाया हो अर्थात् उसने परीक्षा छोड़ दी हो)।

टिप्पणी :—इस रियायत के अन्तर्गत जो कि 31-12-1979 के बाद होने वाली किसी भी परीक्षा में प्रवेश के लिए ग्राह्य नहीं होगी एक से अधिक अवसर नहीं दिया जाएगा।

ऊपर की गई व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित आयु सीमा में किसी भी हालत में छूट नहीं दी जा सकती।

ध्यान दें (i) जिस उम्मीदवार को नियम 6 (ख) के अधीन परीक्षा में प्रवेश दे दिया गया हो उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी यदि आवेदन-पत्र भेजने के बाद वह परीक्षा से पहले या परीक्षा देने के बाद सेवा से त्यागपत्र दे देता है या विभाग/कार्यालय द्वारा उसकी सेवाएं समाप्त कर दी जाती हैं। किन्तु आवेदन पत्र भेजने के बाद यदि उसकी सेवा या पद से छटनी हो जाती है तो वह पात्र बना रहेगा।

(ii) जो उम्मीदवार विभाग को अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद किसी अन्य विभाग/कार्यालय को स्थानान्तरित हो जाता है वह उस पद (पदों) हेतु विभागीय आयु सम्बन्धी रियायत लेकर प्रतियोगिता में सम्मिलित होने का पात्र रहेगा जिसका पात्र वह स्थानान्तरण न होने पर रहता, बशर्त कि उसका आवेदन-पत्र विधिवत अनुबंधा सहित उसके मूल विभाग द्वारा अशेषित कर दिया गया हो।

7. उम्मीदवार :—

(क) के पास भारत के केन्द्र या राज्य विधान मंडल के अधिनियम द्वारा निर्गमित किसी विश्वविद्यालय की या संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में मान्य घोषित कि अन्य शिक्षा संस्थान से भूविज्ञान या प्रयुक्त भूविज्ञान में 'मास्टर' डिग्री अवश्य होनी चाहिए; या

(ख) भारतीय खान विद्यालय, धनबाद से प्रयुक्त भू-विज्ञान में एम्प्लो-शिप्टशिप का डिप्लोमा।

नोट I : यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। ऐसे उम्मीदवारों को, यदि वे अन्यथा पात्र हों तो परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अन्तिम मानी जाएगी और यदि वे अर्हक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में 31 अक्टूबर, 1978 तक प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है।

नोट II : विशेष परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग ऐसे किसी उम्मीदवार को भी शैक्षिक दृष्टि से योग्य मान सकता है जिसके पास इस नियम में विहित अर्हताओं में से कोई अर्हता न हो, बशर्ते कि उम्मीदवार ने किसी संस्था द्वारा ली गई कोई ऐसी परीक्षा पास कर ली हो जिसका स्तर आयोग के मतानुसार ऐसा कि उसने आधार पर उम्मीदवार का परीक्षा में प्रवेश उचित ठहरा सके।

नोट III : जिस उम्मीदवार ने अन्यथा अर्हता प्राप्त कर ली है, किन्तु उसके पास विदेशी विश्वविद्यालय की डिग्री है, तो वह भी आयोग को आवेदन कर सकता है और उसे आयोग की विवक्षा पर परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है।

8. उम्मीदवारों को आयोग के नोटिस के पैरा 6 में निर्धारित शुल्क का भुगतान अवश्य करना चाहिए।

9. जो उम्मीदवार सरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थायी रूप से काम कर रहे हों चाहे वे किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त भी क्यों न हों, पर आकस्मिक या दैनिक दर पर नियुक्त न हुए हों, उन सब को अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष की ओर से आयोग के नोटिस के अनुबंध के पैरा-2-में दिए गए अनुदेशों के अनुसार "अनापत्ति प्रमाण-पत्र" प्रस्तुत करना होगा।

10. उक्त परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार को पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

11. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (सर्टिफिकेट आफ एडमिशन) न हो।

12. जिस उम्मीदवार ने :—

(i) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा

(ii) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा

(iii) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप में कार्य साधन कराया है, अथवा

(iv) जाली प्रवेश या ऐसे प्रलेख प्रस्तुत किए हैं जिसमें तथ्यों में फेर-बदल किया गया हो, अथवा

(v) गलत या झूठे वक्तव्य दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा

(vi) परीक्षा में उम्मीदवारी के सम्बन्ध में किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा

(vii) परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, अथवा

(viii) उत्तर पुस्तिकाओं पर असंगत बातें लिखी हों जो अश्लील भाषा में या अभद्र आणव्य की हों, अथवा

(ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्व्यवहार किया हो अथवा

(x) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो, अथवा

(xi) पूर्वोक्त खण्डों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य को करने का प्रयास किया हो या करने की प्रेरणा दी हो, जैसी भी स्थिति हो, तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रासीक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे :—

(क) आयोग द्वारा उस परीक्षा से जिसका वह उम्मीदवार है बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा

(ख) उसे स्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए

(i) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा जयन से

(2) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नौकरी से वारित किया जा सकता है, और

(ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपयुक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

13. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में आयोग द्वारा अपनी विषया पर निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेते हैं उन्हें व्यक्तिस्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा।

परन्तु यदि आयोग के मतानुसार सामान्य स्तर के आधार पर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों के भरने के लिए इन जातियों के उम्मीदवार पर्याप्त संख्या में व्यक्तिस्व परीक्षण के लिए साक्षात्कार हेतु नहीं बुलाए जा सकते हैं तो आयोग उनको स्तर में छूट देकर व्यक्तिस्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुला सकता है।

14. परीक्षा के बाद आयोग हर एक उम्मीदवार को अन्तिम रूप से दिए गए कुल प्राप्तांकों के आधार पर उनके योग्यता क्रम के अनुसार उनके नामों की सूची बनाएगा और इस परीक्षा का परिणाम निकालने पर जितनी अनारक्षित खाली जगहों पर भर्ती करने का फैसला किया गया हो उतने ही ऐसे उम्मीदवारों को योग्यता क्रम के अनुसार नियुक्त करने के लिए अनुशंसा की जाएगी जो आयोग द्वारा परीक्षा में योग्य पाए गए हों।

परन्तु यदि सामान्य स्तर से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवार नहीं भरे जा सकते हो, तो आरक्षित कोटा में कमी पूरी करने के लिए आयोग द्वारा स्तर में छूट देकर, चाहे परीक्षा के योग्यता क्रम में उनका कोई भी स्थान हो, नियुक्ति के लिए अनुशंसित किए जा सकेंगे, बशर्ते कि ये उम्मीदवार इन सेवाओं पर नियुक्ति के लिए उपयुक्त हों।

15. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षाफल की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा और आयोग उनसे परीक्षाफल के बारे में कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

16. परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति करते समय उम्मीदवार द्वारा आवेदिन पत्र में विभिन्न पदों के लिए बताए गए बरोयता क्रम पर अयोग द्वारा उचित ध्यान दिया जाएगा।

17. परीक्षा में पास हो जाने मात्र से ही नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता, इसके लिए आवश्यक है कि सरकार आवश्यकतानुसार जांच करके इस बात से संतुष्ट हो जाए कि उम्मीदवार चरित्र तथा पूर्ववृत्त की दृष्टि से इस सेवा में नियुक्ति के लिए हर प्रकार से उपयुक्त है।

18. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो संबंधित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलता पूर्वक निभाने में बाधक हो। यदि विहित डाक्टरों की परीक्षा के बाद जो यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा निर्धारित की जाए, किसी उम्मीदवार के बारे में यह ज्ञात हुआ कि वह इन को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी। जिन उम्मीदवारों के नियुक्ति किए जाने की संभावना है केवल उन्हीं की डाक्टरों की परीक्षा की जाएगी। डाक्टरों की परीक्षा के समय उम्मीदवार शूलक के रूप में ₹० 16.00 का भुगतान मेडिकल बोर्ड को करेंगे।

नोट :-निराशा से बचने के लिए उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन करने से पहले सिविल सर्जन के स्तर के सरकारी चिकित्सा अधिकारी से अपनी डाक्टरों की परीक्षा करा लें। उम्मीदवारों को नियुक्ति से पहले जिन डाक्टरों की परीक्षाओं से गुजरना होगा उनके स्वरूप के विवरण और मानक परिशिष्ट II में दिए गए हैं। 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान विकलांग हुए और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए भूतपूर्व सैनिकों और सीमा सुरक्षा दल के कार्य करते हुए विकलांग हुए व्यक्तियों को पद विशेष की अपेक्षाओं के अनुसार स्तर में छूट दी जाएगी।

19. जिस व्यक्ति ने :-

- (क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है जिसका जीवित पति / पत्नी पहले से है या
- (ख) जीवित पति / पत्नी के रहते हुए, किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है, तो वह सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जाएगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से सन्तुष्ट हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के अन्य कारण भी हैं तो वह किसी भी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

20. इस परीक्षा के माध्यम से जिन पदों के सम्बन्ध में भर्ती की जा रही है उनका संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट III में दिया गया है।

के० एन० नायर, अवर सचिव

परिशिष्ट I

1. परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार आयोजित की जाएगी :-

भाग I नीचे पैरा 2 में दिए गए विषयों में लिखित परीक्षा।

भाग II आयोग द्वारा साक्षात्कार हेतु बुलाए जाने वाले उम्मीदवारों का व्यक्तिगत परीक्षण जो अधिकतम 200 अंकों (देखिए नीचे पैरा 7) का है।

2. लिखित परीक्षा निम्न विषयों में ली जाएगी :

विषय	समय	पूर्णांक
1	2	3
(1) सामान्य अंग्रेजी	1½ घंटा	100
(2) भूविज्ञान प्रश्न-पत्र I जिसमें सामान्य भूविज्ञान, भूआकृति विज्ञान, संरचनात्मक भूविज्ञान, स्तरक्रमविज्ञान और जीवाश्मविज्ञान होंगे	3 घंटे	200
(3) भूविज्ञान प्रश्न-पत्र II, जिसमें क्रिस्टल विज्ञान, खनिजविज्ञान, शैल विज्ञान, भू रसायन विज्ञान, आर्थिक भूविज्ञान और भारतीय खनिज निक्षेप होंगे	3 घंटे	200

1	2	3
(4) भूविज्ञान प्रश्न-पत्र III, जिसमें खनिज अन्वेषण और खनिज अर्थ-शास्त्र होंगे	1½ घंटे	100
(5) जल भूविज्ञान	1½ घंटा	100

नोट :-वर्ग I और वर्ग II के अन्तर्गत पदों के लिए प्रतियोगी उम्मीदवारों को उपर्युक्त सभी विषय लेने होंगे। केवल वर्ग I के अन्तर्गत पदों के लिए प्रतियोगी उम्मीदवारों को उपर्युक्त (1) से (4) तक के विषय लेने होंगे और केवल वर्ग II के अन्तर्गत पदों के लिए प्रतियोगी उम्मीदवारों को (1) से (3) तक के विषय लेने होंगे।

3. सभी विषयों की परीक्षा पूर्णतः 'वस्तु पूरक' (बहु विकल्प उत्तर) प्रकार की होगी। नमूने के प्रश्नों सहित विवरण के लिए कृपया परिशिष्ट IV पर 'उम्मीदवार सूचना पुस्तिका' देखिए।

4. परीक्षा का स्तर और पाठ्यचर्या संलग्न अनुसूची के अनुसार होंगे।

5. उम्मीदवारों को उत्तर अपने ही हाथ से लिखने चाहिए। उन्हें उत्तर लिखने के लिए किसी लिखने वाले की सहायता की अनुमति नहीं दी जाएगी।

7. आयोग परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के लिए अहंक अंक निश्चित कर सकता है।

7. व्यक्तिगत परीक्षण करते समय उम्मीदवार की नेतृत्व क्षमता, पहल तथा मेधाशक्ति, व्यवहार कुशलता तथा अन्य सामाजिक गुण, मानसिक तथा शारीरिक ऊर्जास्विकता, प्रायोगिक अनुप्रयोग की शक्ति और चारित्रिक निष्ठा के निर्धारण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

8. केवल सतही ज्ञान के लिए कोई अंक नहीं दिए जाएंगे।

अनुसूची

स्तर और पाठ्यचर्या

अंग्रेजी के प्रश्न-पत्र का स्तर ऐसा होगा जिसकी अपेक्षा विज्ञान स्नातक से की जाती है। भू-वैज्ञानिक विषय भारतीय विश्वविद्यालय की एम० एस० सी० डिग्री स्तर के होंगे और सामान्यतः प्रत्येक विषय में ऐसे प्रश्न रखे जाएंगे जिनसे उम्मीदवारों की विषय की समझ का पता लग सके।

किसी भी विषय की प्रायोगिक परीक्षा नहीं होगी।

(1) सामान्य अंग्रेजी

अंग्रेजी भाषा की समझ और अभिव्यक्त करने की शक्ति की जांच करने के प्रश्न किए जाएंगे।

(2) भूविज्ञान प्रश्न-पत्र I

क-सामान्य भूविज्ञान—भू-उद्भव।

महाद्वीप और महासागर—उनका विभाजन, विकास और उद्भव। महाद्वीपीय विस्थापित, महासागर विस्तारण और प्लेट विवर्तनिकी की संकल्पना। पुराजलवायु और उनकी विशेषता। समस्थिति। पुराचुंबकत्व। विषट्तात्मिकता और उसका भूविज्ञान में अनुप्रयोग। भूकालानुक्रम और भू-काल। भूकम्पविज्ञान और भूगर्भ। भूभूमिति। ज्वालामुखीयता। द्वीप चाप, गंधीर सागर खाईयां, और मध्य महासागरीय कटक। सीरल रीफ। पर्वत और महादेश रचना। पर्वतनी चक्र।

ख—भू-आकृतिविज्ञान—भूआकृतिक प्रक्रम; लक्षण और उनके प्राचल। भूआकृतिक चक्र और उनका अर्थ-निर्वचन। स्थलाकृति और संरचनाओं से इसका संबंध। मृदा।

ग—संरचनात्मक भूविज्ञान—चट्टानों के भौतिक गुण। विरूपण। भ्रंशन और बलन—उनकी यंत्रिकी। प्राथमिक संरचना : संरेखण, शलकन और जोड़। वितल प्रतलबेधी और लवण गुम्बज। संस्तरों के शीर्ष तथा तल की पहचान। विषय विन्यास। पटल विरूपण। शैल सविन्यासी विश्लेषण।

ब-स्तरिकी—स्तरिकी के सिद्धांत तथा नामपद्धति। पदार्थ स्तरिकी तथा पुराभूगोल की रूपरेखाएं। भूविज्ञान की विभिन्न प्रणालियों के प्ररूप अनुभाग। गोडवाना प्रणाली तथा गोडवाना महाखंड।

भारतीय उपमहाद्वीप (भारत पाकिस्तान तथा बंगलादेश) की स्तरिकी तथा पुराभूगोल। प्रमुख भारतीय शैलसमूह में सहसम्बन्ध। भारतीय स्तरिकी में काल विषयक समस्याएं।

ख-पुराभूगोल—(क) जीवाश्म, उनके प्रकार, संरक्षण पद्धति तथा प्रयोग। अकरोसकियों का आकृति-विज्ञान, वर्गीकरण तथा भू-विज्ञान सम्बन्धी इतिहास; प्रवाल, भूजपाद, पटल, क्लोम, ऐमोनाइटोइज, जठरपाद, ट्राइलोबोलाइटोइज, गुलबर्गी, ग्रेटोलाइट्स और फामिनीफर्स।

(ख) गोडवाना तथा शिवालिक प्राणिजात पर बल देते हुए करोसकियों के प्रमुख समूह। मानव, हाथी तथा घोड़ा का विकास-वृत्त।

(ग) गोडवाना वनस्पति पर बल सहित जीवाश्म वनस्पति तथा क्षत का महत्व और वितरण।

(घ) सूक्ष्मपुराभूगोल; कोरेमिन कराइड्स के विशेष सन्दर्भ में इसका महत्व, उनका परिस्थिति विज्ञान तथा पुरापरिस्थिति-विज्ञान।

(3) भूविज्ञान प्रश्न-पत्र II

क. क्रिस्टल विज्ञान

क्रिस्टलों के सममिति तत्व तथा वर्गीकरण। प्रभेद-गोलेय तथा विधिम, 32 क्लास (बिन्दु समूह)। आकाश जालक तथा आकाशी समूह। एक्स-रे क्रिस्टलविज्ञान के मूल सिद्धांत। यमलन तथा क्रिस्टल अपूर्णता।

ख. वर्णनात्मक खनिज विज्ञान

परमाणु—संरचना। क्रिस्टलों में संकुलन तथा आबन्धन। परमाणु प्रतिस्थापन—प्ररूप-संरचना। खनिजों के भौतिक, रासायनिक, वैद्युत, चुम्बकीय तथा तापीय गुणधर्म। सिलिकेटों की संरचना तथा वर्गीकरण।

आतिवोन, ग्रुप, गार्नेट ग्रुप, एपिडोट ग्रुप और मलिलाइट ग्रुप। जरकान, स्फीन, सिलोमनाइट, ऐन्डालुमाइट, कायनाइट, पुत्तराज, स्टोरोजलाइट, बेरिल काडिएराइट, टूरमलीन, पाइराक्सीन ग्रुप और ऐम्फिबोल ग्रुप। कोलेर-टोनाइट और रोडोनाइट। अग्रक, समूह, क्लोराइट ग्रुप तथा मूलिका खनिज। फेल्डस्पार ग्रुप। सिलिका मिनरलस फेल्सपेथाइट ग्रुप। जियोलाइट ग्रुप तथा स्केपोलाइट ग्रुप। आक्साइड्स, हाइड्रोक्साइड्स कार्बोनेट्स, फास्फेट, हैलाइट्स, सल्फाइट्स तथा सल्फेट्स।

ग. प्राकृतिक खनिज विज्ञान

प्रकाशिक के सामान्य सिद्धांत। प्रकाशिक उपसाधन। अपवर्तन, द्विअपवर्तन, विलोप कोण, बहुवर्णता। प्रकाशिक दीर्घवृत्तज प्रकाशिक अक्षीय कोण। प्रकाशिक अभिविन्ध्यस परिक्षेपण। प्रकाशिक विसंगतियां। सर्वेक्षीय मंच तथा इसके प्रयोग।

घ. शैल विज्ञान

(i) आग्नेय : स्वरूप, संरचना, गठन और वर्गीकरण। ग्रेनाइट-ग्रानो-डाइयोराइट-डाइयोराइट। साइनाइट-नेफेलाइन साइनाइट। ग्रेनोपेरी-डोटाइट-डूनाइट। डालराइट नेम्फोफायर, पेन्माटाइट, ऐप्लाइट, रजोलाइट तथा कार्बोनाटाइट। रायोलाइट ट्रैकाइट, डेकाइट, ऐन्डेजाइट तथा बेसाल्ट।

सिलिकेट सिस्टम में प्रायस्था नियम तथा साम्यता। द्विषटक तथा त्रिषटक तत्व। क्रिस्टलीकरण-क्रम। अभिक्रिया सिद्धांत। मगमस की क्रिस्टलीकरण अनेकता। विभिन्नता आरेख। ग्रेनाइट्स मानोमिनरलिक तथा क्षारीय शैल, कार्बोनाटाइट्स, पैमाराइट्स, तथा लेम्प्राफायरों का उद्गम।

(ii) अवसादी : वर्गीकरण तथा बनावट। अवसादों का मूल।

गठन और संरचना। अवसादी शैलों के प्रमुख समूहों का अध्ययन। अवसादों का यांत्रिक विक्षेपण। निक्षेपण की पद्धतियां। पुराधाराएं तथा द्वीपी विक्षेपण। अवसादों का उद्गम क्षेत्र। निक्षेपणीय पर्यावरण, भारी खनिज तथा उनका महत्व शिल्पि भवन तथा प्रसंघनन।

(iii) कायान्तरित शैल : कायान्तरण के कारक, प्ररूप, नियंत्रण संरचना श्रेणी और संलग्नता। कायान्त्री विभेदन। तत्वांतरण तथा ग्रेनाइटो-भवन। अधिसंरचना, कणिकाभ, चानोकाइट, ऐम्फिबोलाइट्स, शिष्ट, नाइसिसेज और हार्नफेल्ल। मडमा और ओरोजनी के सम्बन्ध में कायान्तरण।

ङ. भू-रासायनिक विज्ञान

अवयवों का अन्तरिक्षी बाहुल्य, पृथ्वी का प्रारम्भिक भू-रासायनिक विभेदन, अवयवों का भू-रासायनिक वर्गीकरण, अनुसंधान अवयव। जल का भू-रासायनिक विज्ञान, अवसादों का भू-रासायनिक विज्ञान, भू-रासायनिक चक्र तथा भू-रासायनिक पूर्वक्षण के सिद्धांत।

च. आर्थिक भूविज्ञान

खनिज निक्षेप—रूपण प्रक्रिया, स्थानिकीकरण का नियंत्रण तथा वर्गीकरण रत्न तथा अल्पमूल्य खनिजों का अध्ययन जो उनकी खनिजीयता, उपस्थिति तथा वितरण के सम्बन्ध में किया गया हो।

ख. भारतीय खनिज निक्षेप

निम्नलिखित धातु तथा अधातु अवयवों और खनिजों का भारतीय निक्षेप जो उनके वितरण, उपस्थिति तथा उद्गम प्रणाली के सम्बन्ध में हो।

(क) तांबा, सोडा, जस्त, एल्यूमिनियम मगनेशियम, सोडा, से मैंगनीज, क्रोमियम, सोना, चांदी, टंगस्टेन तथा मॉलिब्डेनम।

(ख) अग्रक, वासिकगुलाइट, ऐस्बेस्टास बेरोटिस प्रेफाइट, जिप्सम, गैरिक मूल्यवान तथा अल्पमूल्य खनिज, उच्चतापसह खनिज, अपघर्षी तथा मृत्तिकाश्लेष हेतु खनिज काँच, उर्बरक, सीमेन्ट, प्रलेप तथा वर्णक उद्योग और निर्माणी पत्थर,

(ग) कोयला, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस तथा परमाणु ऊर्जा खनिज।

4. भू-विज्ञान प्रश्न पत्र III

(क) पृष्ठीय तथा अपृष्ठीय अन्वेषण की पद्धतियां, क्षेत्रगत अन्वेषण हेतु अक्षीय उपस्कर तथा क्षेत्रीय परीक्षण; अवयव निक्षेप का पता देने वाले निर्वेध; अवयव निक्षेपों का प्रतिचयन, आमापन और मूल्यांकन। खनिज, अन्वेषण में भू-भौतिक, भू-रासायनिक तथा भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षणों का अनुप्रयोग।

(ख) राष्ट्रीय अवयवस्था में खनिजों का महत्व। उद्योग निर्माण में विभिन्न खनिजों का प्रयोग। मांग, आपूर्ति और प्रतिस्थापन। भारत के प्रमुख खनिजों का उत्पादन तथा मूल्य। खनिज उद्योगों के अन्तर्राष्ट्रीय, पटल। सामरिक, आर्थिक और अतिव्यवस्था खनिज। संरक्षण तथा राष्ट्रीय खनिज नीति। खनिज उत्पादन में भारत की स्थिति।

5. जल भू-विज्ञान

जल-भूविज्ञान चक्र। भू-पर्वटी में जल वितरण। जलीय चक्र में भू-जल। भू-जल, आकाशी, कण्ठा और मगमज जल और स्त्रोतों का उद्गम। जल-धारी लक्षणों की दृष्टि से शैलों का वर्गीकरण, जल स्तरिकी एकक : भूजल की उपस्थिति के अनुकूल भूवैज्ञानिक संरचना, भू-जल क्षेत्र। भू-जल भंडार। जल भर, मितजलभूल, रबोटोईस। जलभरों का वर्गीकरण।

शैलों के जलवैज्ञानिक गुणधर्म (भू-जल भंडार)—संरचना, रिक्ति अनुपात, चुम्बकशीलता, पारगम्यता, स्टोरेटिविटी, आपेक्षिक पराधम, आपेक्षिक धारिता, विसरणशीलता। भू-जल भंडार के गुणधर्मों की पहचान की पद्धतियां—कूप पद्धतियों तथा प्रयोगशाला प्रविधियों के विसर्जन द्वारा शुष्कशीलता और आपेक्षिक पराधम स्टोरेटिविटी की पहचान। भू-जल की गति प्रदान करने वाले बल। भू-जल गति के नियम-डार्सी नियम। भू-जल का पुनर्भरण कृत्रिम तथा प्राकृतिक, पुनर्भरण के नियंत्रक कारक, भूजल के युति और क्षयी प्रयोग।

भू-जल अन्वेषण की पृष्ठीय तथा अपृष्ठीय प्रविधियां-भू-वैज्ञानिक तथा तथा भूभौतिक-जल सन्तुलन। भू-जल निष्कर्षण की प्रविधियां (कूप-प्ररूप) उपज हेतु विभिन्न प्रकार के शैल-क्षेत्रों में कूप-निर्माण की पद्धतियां।

विभिन्न प्रकार के प्रयोगों—चर, उद्योग तथा सिंचाई सम्बन्धी के सदर्भ में भू-जल के रासायनिक लक्षण, जल प्रदूषण।

परिशिष्ट II

उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विनियम

ये विनियम उम्मीदवारों की सुविधा के लिए प्रकाशित किए जाते हैं ताकि वे यह अनुमान लगा सकें कि वे अपेक्षित शारीरिक स्तर के हैं या नहीं। ये विनियम स्वास्थ्य परीक्षाओं (मैडिकल एग्जामिनेशंस) के मार्ग निर्देशन के लिए भी हैं तथा जो उम्मीदवार इन विनियमों में निर्धारित न्यूनतम अपेक्षाओं को पूरा नहीं करता तो उसे स्वास्थ्य परीक्षाओं द्वारा स्वस्थ घोषित नहीं किया जा सकता। किन्तु किसी उम्मीदवार को इन विनियमों में निर्धारित मानक के अनुसार स्वस्थ न मानते हुए भी स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड को इस बात की अनुमति होगी कि वह लिखित रूप से स्पष्ट कारण देते हुए, भारत सरकार को यह अनुमति कर सके कि उक्त उम्मीदवार को सेवा में लिया जा सकता है और इससे सरकार को कोई हानि नहीं होगी।

यह स्पष्ट रूप से समझ लेना चाहिए कि भारत सरकार को चिकित्सा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करने के बाद किसी भी उम्मीदवार को अस्वीकृत या स्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार होगा। उन रक्षा सेवाओं के कर्मचारियों तथा सीमा सुरक्षा दल के कर्मचारियों के मामले में जो 1971 के भारत-पाक शत्रुता संघर्ष में पौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए हों और उसके परिणाम स्वास्थ्य निर्मुक्त हुए हों, पर्वों की अपेक्षाओं को देखते हुए, उन्हें स्तर में छूट दी जाएगी।

1. नियुक्ति के लिए स्वास्थ्य ठहराए जाने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवारों का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के बाद वक्षतापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की भावना हो।

2. भारतीय (एंग्लो इंडियन सहित) जाति के उम्मीदवारों की आयु, कद और छाती के घेरे के परस्पर संबंध के बारे में मैडिकल बोर्ड के ऊपर यह बात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवारों की परीक्षा में मार्गदर्शन के रूप में जो भी परस्पर संबंध के आंकड़े सबसे अधिक उपयुक्त समझे, व्यवहार में लाएं। यदि वजन, कद और छाती के घेरे में विषमता हो तो जांच के लिए उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए और उसकी छाती का एकसरे लेना चाहिए ऐसा करने के बाद ही बोर्ड उम्मीदवार को स्वस्थ अथवा अस्वस्थ घोषित करेगा।

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि में मापा जाएगा।

वह अपने जूते उतार देगा और उस माप वण्ड (स्टैंडर्ड) से इस प्रकार सटा कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव आपस में जुड़े रहें और उसका वजन सिवाय एड़ियों के पांवों के अंगूठों या किसी और हिस्से पर न पड़े। वह बिना अंकड़े सीधा खड़ा होगा और उसकी एड़ियां, पिडलियां, नितम्ब और कंधे मापवंड के साथ लगे होंगे। उसकी ठोड़ी नीची रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर (वर्टेक्स आफ दी रेड लेवल) हारिजेंटल बार (ग्राइड छड़) के नीचे जाए। कद सेंटीमीटरों और आधे सेंटीमीटरों में मापा जाएगा।

4. उम्मीदवार की छाती मापने का तरीका इस प्रकार है:—

उसे इस भांति खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव जुड़े हों और उसकी भुजाएं मिर से ऊपर उठी हों। फीते को छाती के गिर्द इस तरह लगाया जाएगा कि इसका ऊपरी किनारा अंसफलक गाल्डर ब्लेड के निम्न कोणों (इन्फ्रीयर-एंगल्स) के पीछे लगा रहे और यह फीते को छाती के गिर्द ले जाने पर उसी आड़े समतल (हारिजेंटल प्लेन) में रहे। फिर भुजाओं को नीचे किया जाएगा और उन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा किन्तु इस बात का ध्यान रख जाएगा कि कंधे ऊपर या पीछे की ओर न किए जाएं ताकि फीता अपने स्थान से हट न जाए।

तब उम्मीदवार को कई बार गहरी सांस लेने के लिए कहा जाएगा। तथा छाती के अधिक से अधिक फैलाव पर सावधानी से ध्यान दिया जाएगा। और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा जैसे 84.89, 86-93.5 आदि। माप रिकार्ड करते समय आधे सेंटीमीटर से कम भिन्न (फैक्शन) को नोट नहीं करना चाहिए।

ध्यान दें:—अंतिम निर्णय करने से पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती दो बार मापे जाने चाहिए।

5. उम्मीदवार का वजन किया जाएगा और यह किलोग्राम में होगा। आधा किलोग्राम या उसका अंश नोट नहीं करना चाहिए।

6. उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा:—

(i) सामान्य (जनरल):—किसी रोग या असामान्यता (एन-नार्मैलिटी) का पता लगाने के लिए उम्मीदवार की आंखों की सामान्य परीक्षा की जाएगी। यदि उम्मीदवार की आंखों, पलकों अथवा साथ लगी संरचनाओं (कॉन्जुगुअन स्ट्रक्चर्स) का कोई ऐसा रोग हो जो उसे अंध या आंखों किसी समय सेवा के लिए अयोग्य बना सकता हो, तो उसको अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(ii) दृष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एकुइटी):—दृष्टि की तीक्ष्णता का निर्धारण करने के लिए दो तरह की जांच की जाएगी। एक दूर की नजर के लिए और दूसरी नजदीक की नजर के लिए। प्रत्येक आंख की अलग अलग परीक्षा की जाएगी।

चयमें के बिना आंख की नजर (नेकेड आई विजन) को कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट), नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक मामले में मैडिकल बोर्ड या अन्य मैडिकल प्राधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा क्योंकि इससे आंख की हालत के बारे में मूल-सूचना (बेसिक इन्फॉर्मेशन) मिल जाएगी।

चयमें के साथ और चयमें के बिना दृष्टि तीक्ष्णता का मानक निम्नलिखित होगा:—

	दूर की दृष्टि		निकट की दृष्टि	
	अच्छी आंख	खराब आंख	अच्छी आंख	खराब आंख
35 वर्ष से कम आयु वाले	6/9	6/9	.06	.08
अथवा	अथवा			
उम्मीदवारों के लिए	6/6	6/12		

नोट: (1) मायोपिया का कुल परिणाम (सिलेंडर सहित) 4.00 डी० से अधिक नहीं होना चाहिए।

नोट: (2) फंडस परीक्षा: जहां तक संभव होगा चिकित्सा बोर्ड की दिवक्षा पर फंडस परीक्षा की जाएगी और परिणाम रिकार्ड किया जाएगा।

नोट: (3) कलर विजन:

(i) कलर विजन की जांच जरूरी होगी।

(ii) नीचे दी गई तालिका के अनुसार रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान उच्चतर (हायर) और निम्नतर (लोअर) ग्रेडों में होना चाहिए ती लटर्न में एक्चर के आकार पर निर्भर होगा।

ग्रेड	रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का उच्चतर ग्रेड	रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का निम्नतर ग्रेड
1 लैम्प और उम्मीदवार के बीच की दूरी	4.9 मीटर	4.9 मीटर
2 द्वारक (एपर्चर) का आकार	1.3 मि० मीटर	1.3 मि० मीटर
3 उद्भासन काल	5 सेकेंड	5 सेकेंड

जनता की सुरक्षा से संबंध सेवाओं के लिए अर्थात् पायलटों, ड्राइवरों, गाड़ों आदि के लिए कलर विजन का उच्चतर ग्रेड आवश्यक है किन्तु अन्य के लिए कलर विजन का निम्नतर ग्रेड उपयुक्त समझा जाएगा। कलर विजन का यही स्तर समस्त इंजीनियरी कामों के संबंध में भी लागू होगा, जिन मामलों में रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान आवश्यक होना है। उनकी दृष्टी क्षमता का कार्य (फील्ड वर्क) से संबंध हो या नहीं।

(iii) लाल संकेत, हरे संकेत और सफेद रंग को घासाने से और हिचकिचाहट के बिना पहचान लेना संतोषजनक कलर विजन है। इतिहास को पेटेंटों के हस्तमाल की जिम्मे एडिज ग्रीन की लैटर्न जैसे उपयुक्त लैटर्न और उसके रोगनी में दिखाया जाता है कलर विजन की जांच करने के लिए बिल्कुल विश्वसनीय समझा जायेगा। वैसे तो दोनों जांचों में से किसी भी एक जांच को माध्यम तथा पर्याप्त समझा जा सकता है। लेकिन, सड़क, रेल और हवाई यातायात से संबंधित सेवाओं के लिये लैटर्न से जांच करनी लाजमी है। शक वाले मामले में जब उम्मीदवार को किसी एक जांच करने पर अयोग्य पाया जाए तो दोनों ही तरीकों से जांच करनी चाहिए।

नोट : (4) दृष्टि क्षेत्र (फील्ड ऑफ विजन) : सम्मुख विधि (कन्फ्रंटेशन मैथड) द्वारा दृष्टि क्षेत्र की जांच की जाएगी। जब ऐसी जांच का नतीजा असंतोषजनक या संदिग्ध हो तो क्षेत्र को परमापा (पैरामीटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

नोट : (5) रंतांधी (नाइट ब्लाइन्डनेस) :—केवल विशेष मामलों को छोड़कर रंतांधी की जांच नेमी रूप से जरूरी नहीं है। रंतांधी में दिखाई न देने की जांच करने के लिए कोई स्टैंडर्ड टेस्ट निश्चित नहीं है। मेडिकल बोर्ड को ही ऐसे काम चलाऊ टेस्ट कर लेने चाहिए जैसे रोगी को कम करके या उम्मीदवार को अंधेरे कमरे में लाकर 20 से 30 मिनट के बाद उससे विविध चीजों की पहचान करवा कर दृष्टि तीक्ष्णता रिकार्ड करना। उम्मीदवारों के कहने पर ही हमेशा विश्वास नहीं करना चाहिए किन्तु उन पर उचित विचार किया जाना चाहिए।

नोट : (6) दृष्टि की तीक्ष्णता से भिन्न आंख की दशाएं आक्युचर कंडीशन्स) :

(क) आंख की अंग संबंधी बीमारी को या बढ़ती हुई अपवर्तन लूट (रिफ्रेक्टिव ऐरर) को, जिसके परिणाम-स्वरूप दृष्टि की तीक्ष्णता के कम होने की संभावना हो, आयोज्यता का कारण समझना चाहिए।

(ख) रोहे (ट्रकोमा) : रोहे जब तक भयानक नहीं हैं, साधारणतः अयोग्यता का कारण नहीं समझना चाहिए।

(ग) भेंगावन :—जहां दोनों आंखों की दृष्टि का हीना जरूरी है, भेंगावन अयोग्यता माना जाएगा, चाहे दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की हो क्यों न हो।

(घ) एक आंख वाला व्यक्ति : एक आंख वाले व्यक्ति को नियुक्ति हेतु अनुमति नहीं दी जाएगी।

7. रक्त दाब (ब्लड प्रेशर) :—ब्लड प्रेशर के संबंध में बोर्ड अपने निर्णय से काम लेगा। नार्मल मैक्सिमम सिस्टोलिक प्रेशर के आकलन की काम चलाऊ विधि निम्न प्रकार है :—

(1) 15 से 25 वर्ष के युवा व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रेशर लगभग 100 + आयु होता है।

(2) 25 वर्ष से ऊपर की आयु वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर के आकलन में 110 आयु आयु का सामान्य नियम बिल्कुल संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

ध्यान दें :—सामान्य नियम के रूप में 140 एम० एम० के ऊपर सिस्टोलिक प्रेशर और 90 एम० एम० के ऊपर डायस्टोलिक प्रेशर को संदिग्ध मान लेना चाहिए और उम्मीदवार को आयोज्य या योग्य ठहराने के संबंध में अपनी अंतिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखें। अस्पताल में रखने की रिपोर्ट से यह पता लगाना चाहिए कि श्वराहट (एक्साइटमेंट) आदि के कारण ब्लड प्रेशर थोड़े समय रहने वाला है या इसका कारण कोई क्रमिक (क्रॉनिक) बीमारी है। ऐसे सभी मामलों में हृदय का एकसरे और इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफी जांच और रक्त गुरिया निकाय (क्लियरेंस) की जांच भी नेमी तौर पर की जानी चाहिए फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने या न होने के बारे में अंतिम फैसला केवल मेडिकल बोर्ड ही करेगा।

ब्लड प्रेशर (रक्त दाब) लेने का तरीका :—नियमत : पारे वाले दाब माप (मर्करी मैनोमीटर) किस्म का उपकरण (इंस्ट्रुमेंट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किस्म के व्यायाम या श्वराहट के बाद पन्ध्र मिनट तक रक्त दाब नहीं लेना चाहिए। रोगी बैठा या लेटा हो वशत कि वह और विशेषकर उसकी बांह शांत और आराम से हो। बांह थोड़ी बहुत होरी-जन्टल स्थिति में रोगी के पाश्चरपरही तथा उसके कंधे से कपड़ा उतार देने चाहिए। कर में से पूरी तरह हवा निकाल कर बीज की रख को भजा के भन्दर की ओर रख कप और उसके निचले किनारे को काहरी के मोड़ से एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके बाद कपड़े की पट्टी को फैलाकर समान रूप से लपेटना चाहिए ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फल कर बाहर न निकले।

कोहनी के मोड़ पर बाहु धमनी (ब्रैकिअल आर्परी) को दबा-दबा कर ढूंढा जाता है और तब इसके ऊपर बीजों बीच स्टेशनकोय को हल्के से लगाया जाता है जो कफ के साथ न लगे। कफ में लगभग 200 एम० एम० एच० जी० हवा भरी जाती है और इसके बाद इसमें से धीरे धीरे हवा निकाली जाती है। हल्की क्रमिक ध्वनियां सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पारे का कालम टिका होता है वह सिस्टोलिक प्रेशर दर्शाता है, जब और हवा निकाली जाएगी तो और तेज ध्वनियां सुनाई पड़ेंगी। जिस स्तर पर ये साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली ध्वनियां हल्की बकी हुई सी सूनत प्रायः हो जाएं यह डायस्टोलिक प्रेशर है। ब्लड प्रेशर काभी थोड़ी अवधि में ही ले लेना चाहिए क्योंकि कफ के लम्बे समय का दबाव रोगी के लिए ओषकारी होता है और उससे रीडिंग गलत होता है। यदि बोझा पड़ताल करना जरूरी हो तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ निमट के बाद ही ऐसा किया जाए। (कभी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर ध्वनियां सुनाई पड़ती हैं, दाब गिरने पर ये गायब हो जाती हैं तथा निम्न स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती हैं। इस "साइलेंट गेप" से रीडिंग में गलती हो सकती है)।

8. परीक्षक की उपस्थिति में किए गए मुख की ही परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। अब मेडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूत्र में रासायनिक जांच द्वारा शक्कर का पता चले तो बोर्ड इसके सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा प्रोष्ठ मधुमह (डाय-बिटीज) के शोतक किन्तु और लक्षणों को भी विशेष रूप में नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार को ग्लूकोज मेंह (ग्लाइकोसुरिया) के शिबाय, अपेक्षित मेडिकल फिटनेस के स्टैंडर्ड के अनुरूप पाए तो वह उम्मीदवार को इस शर्त

के सैथ फिटनेस घोषित कर सकता है कि ग्लूकोज में प्रमुखमेही (नान हायड्रेटिक) है और बोर्ड इस केस को मडिसिन के किसी ऐसे निदिष्ट विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला की सुविधाएं हों। मेडिकल विशेषज्ञ स्टैंडर्ड बलड शुगर टालरेंस टेस्ट समेत जो भी क्लिनिकल या नेबोरेटरी परीक्षाएं जरूरी समझेगा, करेगा और अपनी रिपोर्ट मेडिकल बोर्ड को भेज देगा जिस पर मेडिकल बोर्ड की "फिट" अनफिट की अंतिम राय आधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिए बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं होगा। अधिष्ठ के प्रभाव को समाप्त करने के लिए यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूरी देखरेख में रखा जाए।

9 यदि जांच के परिणाम स्वरूप कोई महिला उम्मीदवार 12 हफ्ते या उससे अधिक समय की गर्भवती पाई जाती है तो उसको अस्थायी रूप से तब तक अस्वस्थ घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उस का प्रसव पूरा न हो जाए। किसी रजिस्टर्ड चिकित्सा ध्यावसायी का स्वस्थता प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने पर प्रसूती की तारीख के 6 हफ्ते बाद आरोग्य प्रमाणपत्र के लिए उसकी फिर से स्वस्थ परीक्षा की जानी चाहिए।

10 निम्नलिखित अतिरिक्त बातों पर ध्यान दिया जाना चाहिए : (क) उम्मीदवार को दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है और उसके काम में बीमारी का कोई चिह्न नहीं है। यदि कोई कान की खराबी हो तो उसकी परीक्षा कान-विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि सुनने की खराबी का इलाज शल्य किया (आपरेशन) या हिर्यॉण ऐड के इस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर आयोज्य घोषित नहीं किया जा सकता बल्कि कि काम की बीमारी बढ़ने वाली न हो यह उपबन्ध भारतीय रेल भंडार सेवा के अलावा अन्य रेल सेवाओं, सेना इंजीनियरी सेवा, तार इंजीनियरी सेवा ग्रुप क, तार यातायात सेवा ग्रुप ख, केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप क और केन्द्रीय वैद्युत् इंजीनियरी सेवा ग्रुप पर लागू नहीं है। चिकित्सा परीक्षा प्राधिकारी के मार्ग दर्शन के लिये इस संबंध में निम्नलिखित जानकारी दी जाती है।

- (1) एक काम में प्रकट अथवा पूर्ण बहुरापन, दूसरा कान सामान्य होगा। यदि उच्च फ्रीक्वेंसी में बहुरापन 30 डेसीबिल तक हो तो गैर-तकनीकी काम के लिए योग्य।
- (2) दोनों कानों में बहुरापन का प्रत्यक्ष बोध, जिसमें श्रवण यंत्र (हिर्यॉण ऐड) द्वारा कुछ सुधार संभव हो। यदि 1000 से 4000 तक की स्पेच-फ्रिक्वेंसी में बहुरापन 30 डेसीबिल तक हो तो तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के काम के लिए योग्य।
- (3) सैट्रल अथवा मार्जिनल टाइप के टिमपेनिक मम्ब्रेन में छिद्र। (1) एक कान सामान्य हो दूसरे कान में टिमपेनिक मम्ब्रेन छिद्र हो तो अस्थायी आधार पर आयोज्य। कान की शल्य चिकित्सा की स्थिति सुधारने से दोनों कानों में मार्जिनल या अन्य छिद्र वाले उम्मीदवारों को अस्थायी रूप से आयोज्य घोषित करके उस पर नीचे दिए गए नियम 4(ii) के अधीन बिचार किया जा सकता है। (ii) दोनों कानों में मार्जिनल या एटिक छिद्र होने पर आयोज्य। (iii) दोनों कानों में सैट्रल छिद्र होने पर अस्थायी रूप से आयोज्य।

- (4) कान के एक ओर से/दोनों ओर से मास्टायड कैविटी से सब नामल श्रवण। (i) किसी एक कान के सामान्य रूप से एक ओर से मास्टायड कैविटी से सुनाई देता हो, दूसरे कान में सबनामल श्रवण वाले कान/मास्टायड कैविटी होने पर तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिए योग्य। (ii) दोनों ओर से मास्टायड कैविटी तकनीकी काम के लिए आयोज्य, यदि किसी भी कान की श्रवणता श्रवण यंत्र लगाकर अथवा बिना लगाए सुधार कर 30 डेसीबिल हो जाने पर गैर-तकनीकी कामों के लिए योग्य।
- (5) बहुरे रहने वाला कान-आप-रेशन किया गया/बिना आप-रेशन वाला। तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिए अस्थायी रूप में आयोज्य।
- (6) नासापुट की हड्डी संबंधों/विस्फिताओं (बोनी डिफॉर्मिटी) सहित अथवा उससे रहित नाक की जीर्ण प्रवाहक एलजिक दशा। (i) प्रत्येक मामले की परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लिया जाएगा। (ii) यदि लक्षणों सहित नासापुट भ्रंशरणा विद्यमान होने पर अस्थायी रूप में आयोज्य।
- (7) टॉसिल्ल और/अथवा स्वर यंत्र (लेन्सि) की जीर्ण प्रवाहक दशा। (i) टॉसिल्ल और/अथवा स्वरयंत्र की जीर्ण प्रवाहक दशा-योग्य। (ii) यदि आवाज में अत्यधिक कंशता विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से आयोज्य।
- (8) कान, नाक गले (ई०एन० टी०) के हल्के अथवा अपने स्थान पर कुंभ ट्युमर। (i) हल्का ट्युमर-अस्थायी रूप से आयोज्य। (ii) कुंभ ट्युमर आयोज्य।
- (9) आस्टोफिलरोसिस श्रवण तंत्र की सहायता से या आपरेशन के बाद श्रवणता 30 डेसीबिल के अन्दर होने पर योग्य।
- (10) कान, नाक अथवा गले के के जन्मजात दोष। (i) यदि काम काज में बाधक न हो तो योग्य। (ii) भारी मात्रा में हकलाहट हो तो आयोज्य।
- (11) नेजल पोलि। अस्थायी रूप में आयोज्य। (ख) उम्मीदवार बोलने में हकलाता/हकलाती नहीं हो। (ग) उसके दांत अच्छी हालत में हैं या नहीं, और अच्छी तरह बचाने के लिए जरूरी होने पर नकली दांत लगे हैं या नहीं। (अच्छी तरह भरे हुए दांतों को ठीक समझा जाएगा)। (घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है या नहीं और छाती फैलती है या नहीं तथा उसका दिल या फीफे ठीक हैं या नहीं।

- (इ) उसे पेट की कोई बीमारी है या नहीं ।
 (च) उसे रक्चर है या नहीं ।
 (छ) उसे हार्डट्रोसीस, बड़की हुई वैरिकोसिल, वैरिकाजिशिरा (वैन) या बन्धासीर है या नहीं ।
 (ज) उसके ग्रंथो, हाथों और पैरों की बनावट और विकास अच्छा है या नहीं और उसकी ग्रंथियां भली भांति स्वतंत्र रूप से हिलती है या नहीं ।
 (झ) उसके कोई चिरस्थायी खराबी की बीमारी है या नहीं ।
 (ञ) कोई जन्मजात कुरचना या दोष है या नहीं ।
 (ट) उसमें किसी उग्र या जीर्ण बीमारी के निशान है या नहीं जिन में कमजोर गठन का पता लगे ।
 (ठ) कारगर टीके के निशान हैं या नहीं ।
 (ण) उसे कोई संचारी (कम्युनिकेबल) रोग है या नहीं ।

11. दिल और फेफड़ों की किसी ऐसी विलक्षणता का पता लगाने के लिए जो माध्वाण शारीरिक परीक्षा से ज्ञात न हो, सभी मामलों में मेमी रूप से छाती की एक्स-रे परीक्षा की जानी चाहिए ।

जब कोई दोष मिले तो उसे प्रमाण-पत्र में अवश्य ही नोट किया जाए । मेडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख लेनी चाहिए कि उम्मीदवार से अपेक्षित दक्षतापूर्वक ड्यूटी में इससे बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं ।

नोट :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि उपर्युक्त सेवाओं के लिए उनकी योग्यता का निर्धारण करने के लिए नियुक्त स्पेशल या स्टैंडिंग मेडिकल बोर्ड के खिलाफ उन्हें अपील करने के लिए कोई हक नहीं है, किन्तु यदि सरकार को प्रथम बोर्ड की जांच में निर्णय की गलती की संभावना के सम्बन्ध में प्रस्तुत किए गए प्रमाण के बारे में संतुष्टि हो जाए तो सरकार दूसरे बोर्ड के सामने एक अपील की इजाजत दे सकती है। ऐसा प्रमाण उम्मीदवार को प्रथम मेडिकल बोर्ड के निर्णय भेजने की तारीख के एक महीने के अन्दर पेश करना चाहिए वरना दूसरे मेडिकल बोर्ड के सामने अपील करने की प्रार्थना पर विचार नहीं किया जाएगा ।

यदि प्रथम बोर्ड के निर्णय की गलती की संभावना के बारे में प्रमाण के रूप में उम्मीदवार मेडिकल प्रमाण-पत्र पेश करे तो इस प्रमाण-पत्र पर उस हालत में विचार नहीं किया जाएगा जबकि इससे सम्बन्धित मेडिकल प्रैक्टिशनर का इस प्राण्य का नोट नहीं होगा कि वह प्रमाण-पत्र इस तथ्य के पूर्ण ज्ञान के बावजूद दिया गया है कि उम्मीदवार पहले से ही सेवाओं के लिए मेडिकल बोर्ड द्वारा अयोग्य घोषित करके अस्वीकृत किया जा चुका है ।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्टें

मेडिकल परीक्षक के मार्ग—वर्णन के लिए निम्नलिखित सूचना दी जाती है :—

शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिए अपनाए जाने वाले स्टैंडर्ड से संबंधित उम्मीदवार की आयु और सेवाकाल (यदि हो) के लिए उचित गुंजाइश रखनी चाहिए ।

किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक सर्विस में भर्ती के लिए योग्य नहीं समझा जाएगा, जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अपाइंटिंग अथॉरिटी) को यह तमल्लि नहीं होगी कि उसे ऐसी कोई बीमारी या शारीरिक दुर्बलता (बाडिली इनफर्मिटी) नहीं है जिससे वह उस सेवा के लिए अयोग्य हो या उसके अयोग्य होने की संभावना हो ।

यह बात समझ लेनी चाहिए कि योग्यता का प्रश्न भविष्य से भी उसना ही सम्बन्ध है जितना वर्तमान से है और मेडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारण सेवा प्राप्त करना और स्थायी नियुक्ति के उम्मीदवारों के मामले में अकाल मृत्यु होने पर समय पूर्व पेशन या अदायगियों को रोकना है । साथ ही यह भी नोट कर लिया जाए कि यही प्रश्न केवल निरन्तर कारण सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार की अस्वीकृति करने की सलाह इस हाल में

नहीं दी जानी चाहिए जबकि उसमें कोई ऐसा दोष हो जो केवल बहुउद्देश्य परिस्थितियों में निरन्तर कारण सेवा में बाधक पाया गया हो ।

महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिए किसी वेडी डाक्टर को मेडिकल बोर्ड के सदस्य के रूप में सहयोजित किया जाएगा ।

जो उम्मीदवार भू-विज्ञानी (फिजिट) और सहायक भू-विज्ञानी के पदों पर नियुक्त किए जाएंगे उन्हें भारत में या भारत से बाहर क्षेत्रगत कार्य करना होगा । ऐसे उम्मीदवार के मामले में चिकित्सा बोर्ड को अपना मत स्पष्ट रूप से व्यक्त करना चाहिए कि वह क्षेत्रगत कार्य के लिए योग्य है या नहीं ।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्टें गोपनीय रखनी चाहिए ।

ऐसे मामलों में जब कि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसके अस्वीकार किए जाने के आधार उम्मीदवार को बताए जा सकते हैं । किन्तु मेडिकल बोर्ड ने जो खराबी बताई हो उनका विस्तृत ध्यौरा नहीं किया जा सकता है ।

ऐसे मामलों में जहाँ मेडिकल बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार को अयोग्य बनाने वाली छोटी मोटी खराबी चिकित्सा (मेडिकल या सजिकल) द्वारा दूर हो सकती है वहाँ मेडिकल बोर्ड द्वारा इस प्राण्य का कथन रिपोर्ट किया जाना चाहिए ।

नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किए जाने में कोई आपत्ति नहीं है जब वह थराकी दूर हो जाए तो एक दूसरे मेडिकल बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिए कहने में संबंधित प्राधिकारी स्वतन्त्र है ।

यदि कोई उम्मीदवार अस्थायी तौर पर अयोग्य करार दिया जाए तो दुबारा परीक्षा की अवधि माध्वाणतया कम से कम छह महीने से कम नहीं होनी चाहिए । निश्चित अवधि के बाद जब दुबारा परीक्षा की जाए तो ऐसे उम्मीदवारों को और आगे की अवधि के लिए अस्थायी तौर पर अयोग्य घोषित न कर नियुक्ति के लिए उनको योग्यता के सम्बन्ध में अवस्था वे इस नियुक्ति के लिए अयोग्य है ऐसा निर्णय अन्तिम रूप से दिया जाना चाहिए ।

सैंक) उम्मीदवार का कथन और घोषणा :—

अपनी मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को निम्नलिखित अपेक्षित स्टेटमेंट देना चाहिए और उसके माध्वाण ही घोषणा (डिक्लरेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिए । नीचे दिए नोट में उल्लिखित चेतावनी की ओर उम्मीदवार को विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए ।

1. अपना पूरा नाम लिखे _____
 (साफ अक्षरों में)

2. अपनी आयु और जन्म स्थान बतायें _____

2 (क) क्या आप गोरेखा, गढ़वासी, असमी, नागालैण्ड जन जाति प्रावि में से किसी जाति से सम्बन्धित हैं जिसका भीसत कब दूसरों से कम होता है । "हां" "या" "नहीं" में उत्तर कीजिए । उत्तर हां में हो तो जाति का नाम बताइए ।

3 (क) क्या आपको कभी चेचक, रुक-रुक कर होने वाला या कोई दूसरा बुखार, ग्रंथियां (स्वैस) का बढ़ना या इनमें पीप पड़ना, थूक में खून आना, दमा, दिल की बीमारी, फेफड़े की बीमारी, मूर्छा के दौर, रूमेटीज्म, ऐंक्टिसाइडिस हुआ है ?

(ख) क्या दूसरी कोई ऐसी बीमारी या दुर्घटना, जिसके कारण भीम्या पर लेटे रहना पड़ा हो और जिसका मेडिकल या सजिकल इलाज किया गया हो, हुई है ?

4. आपको चेचक प्रावि का टीका प्राखिरी बार कब लगा था ?

5. क्या आपको अधिक काम या किसी दूसरे कारण से किसी किस्म की मसीरता से नर्वसनेस ? हुई ।

6 अपने परिवार के सदस्यों में निम्नलिखित व्योरे दे

(6) दृष्टि तीक्ष्णता (बिजुल एक्सीटी)

(7) त्रिविम मगलन की योग्यता

यदि पिता जीवित मृत्यु के समय पिता आपने कितने भई आपकी कितने भाइयों
हो तो उनकी आयु की आयु और मृत्यु जायित है उनका की मृत्यु हो चुकी
और स्वास्थ्य की का कारण आयु और है उनको आयु और
की अवस्था स्वास्थ्य की अवस्था मृत्यु का कारण

दृष्टि की तीक्ष्णता चश्मे के बिना चश्मे में चश्मे की पावरगोल
रिलिफिम

दूर की नजर दा० ने०
बा० ने०

पास की नजर दा० ने०
बा० ने०

हार्डिपरेट्रोपिया दा० ने०
(व्यक्त) बा० ने०

यदि माता जीवित मृत्यु के समय माता आपकी कितनी बहने आपकी कितनी
हो तो उनकी आयु की आयु और जायित है उनकी बहनों की मृत्यु हो
और स्वास्थ्य की और मृत्यु का कारण आयु और स्वास्थ्य चुकी है मृत्यु के
अवस्था की अवस्था समय उनकी आयु
और मृत्यु का कारण

4 कान निरीक्षण सुनना

5 बायाँ कान बाँयाँ कान

5 प्रशियाँ पाइराइड

6 दाँतो की हालत

7 श्वसन तंत्र (रेसीपरेटरी सिस्टम) क्या शारीरिक परीक्षण करने पर
सास के अंगों में किसी असमानता का पता लगा है।

यदि पता लगा है तो असमानता का पूरा व्यौरा दे

8 परिसंचरण तंत्र (सर्कुलैटरी सिस्टम)

(क) हृदय और आंगिक गति (आंगनिक लीजन)

गति (रेट)

खड़े होने पर

25 बार कुदाए जाने के बाद

कुदाए जाने के 2 मिनट बाद

(ख) ब्लड प्रेशर सिस्टोलिक

डायस्टोलिक

9 उदर (पेट) घेरा

स्पर्शमह्यता हानिया

(क) दबाकर मालूम पड़ना जगर

तिस्ली

ट्यूमर

(ख) रक्तार्थ

भगदर

10 तंत्रिका तंत्र (नर्वससिस्टम) तंत्रिका या मानसिक अपसामान्यता
का संकेत

11 बाल तंत्र (लोकोमोटर सिस्टम)

कोई अपसामान्यता

12 जनन मूल तंत्र (जेनिटो यूरिनरी सिस्टम) हाइड्रोसील, वेरिकोसील
आदि का कोई संकेत

मूल परीक्षा

(क) कैसा दिखाई पड़ता है ?

(ख) अपेक्षित गुरुत्व (स्पेसिफिक ग्रेविटी)

(ग) एल्बमिन

(घ) शक्कर

(ङ) कार्बो

(च) कौशिकाए (सेल्स)

7 क्या हमने पहले किसी मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है ?

8. यदि ऊपर के प्रश्न का उत्तर 'हाँ' में हो तो बताइये किग देवा किन सेवाओं
के लिये आपकी परीक्षा की गई थी ?

9 परीक्षा देने वाला प्राधिकारी कौन था

10 कब और कहाँ मेडिकल बोर्ड हुआ

11 मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो

अथवा आपका मालूम हो
से घोषित करता हूँ कि जहाँ तक मेरा विश्वास है, ऊपर विन गण सभी जवाब
सही और ठीक है।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर

मेरे नामने हस्ताक्षर किये

बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर

नोट — उपर्युक्त कथन की यथार्थता के लिये उम्मीदवार जिम्मेदार होगा। जान
बूझ कर किसी सूचना को छिपाने से यह नियुक्ति खो बैठने की जोखिम
लेगा और यदि वह नियुक्त हो भी जाए, तो बाधक्य नियुक्ति भला
(सुपरएनुएशन थलाउस) या उपवान (ग्रेचुटी) के सभी दावों
से हाथ धो बैठेगा।

(ख) (उम्मीदवार का नाम)

की शारीरिक परीक्षा की मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

1 सामान्य विकास — प्रकृति — बीच का — कम —

पोषण पतला — प्रीस — माटा —

कव (जूते उतारकर) — वजन —

वजन में कोई हाल ही में हुआ परिवर्तन

तापमान

छाती का घेरा

(1) पूरा साम खींचने पर

(2) पूरा साम निकालने पर

2 त्वचा कोई जलिया बमारी

3 नेत्र

(1) कोई बीमारी

(2) रतीधी

(3) कलर बिजन का दोष

(4) दृष्टि क्षेत्र (फील्ड ऑफ विजन)

(5) फडम की जांच

13 छाती की एक्स-रे परीक्षा की रिपोर्टें—

14 क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिससे यह छम मेजा की इयुटी को दक्षतापूर्वक निभाने के लिए अयोग्य हो सकता है ?

नोट —महिला उम्मीदवार के मामले में, यदि यह पाया जाता है कि वह 12 मप्ताह अथवा उससे अधिक समय से गर्भिणी है तो उसे अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए, देखें विनियम 9।

15 (क) उम्मीदवार परीक्षा कर लिए जाने के बाद किन सेवाओं में कार्य के वक्ष तथा सतत निष्पादन हेतु सभी प्रकार में योग्य पाया गया है और किन सेवाओं के लिए वह अयोग्य पाया गया है ?

(ख) क्या उम्मीदवार क्षेत्रगत सेवा के लिए योग्य है ?

नोट —बोर्ड के अपना निर्णय निम्नलिखित तीन वर्गों में से किसी एक में रिकार्ड करना चाहिए, —

(i) योग्य

(ii) _____ के कारण अयोग्य ।

(iii) _____ के कारण अस्थायी रूप से अयोग्य

स्थान—_____ अध्यक्ष—_____

तारीख—_____ सदस्य—_____

परिशिष्ट III

इस परीक्षा के आधार पर जिन पदों के लिए भर्ती की जा रही है उनके संबंध में संक्षिप्त विवरण ।

1 भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण

(i) भू-विज्ञानी (कनिष्ठ) ग्रुप क

(क) नियुक्ति के लिए चुने गए उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर रहना होगा । आवश्यक होने पर यह अवधि बढ़ाई भी जा सकती है ।

(ख) भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में वेतन का निर्धारित वेतनमान :—

(i) भू-विज्ञानी (कनिष्ठ वेतनमान) रु० 700-10-900 द० रो०-40-1100-50-1300 ।

(ii) भू-विज्ञानी (वरिष्ठ वेतनमान) रु० 1100-50-1600 ।

(iii) निदेशक रु० 1500-60-1800-100-2000 ।

(iv) उप महानिदेशक—रु० 2250-125/2-2500-१० रो०-125/2-2750 ।

(v) महानिदेशक—रु० 3000 (नियत)

(ग) सरकार द्वारा समय समय पर आशोधित किए गए भर्ती नियमों के अनुसार विभाग में पदों के उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति की जाएगी ।

(घ) सेवा और अवकाश तथा पेशन की शर्तें वही होंगी जो सरकार द्वारा समय समय पर आशोधित मूल नियमों तथा सिविल सेवा विनियमों में उल्लिखित हैं ।

(ङ) सरकार द्वारा समय समय पर आशोधित सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली में उल्लिखित शर्तों के अनुसार भविष्य निधि की शर्तें लागू होंगी ।

(च) भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण के समस्त अधिकारियों को भारत के किसी भी भाग में या भारत से बाहर कार्य करना पड़ सकता है ।

(2) सहायक भू-विज्ञानी, ग्रुप ख —

(क) नियुक्ति हेतु चुने गए उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा । यदि आवश्यकता हुई तो यह अवधि बढ़ाई भी जा सकती है ।

(ख) वेतन का निर्धारित वेतनमान रु० 650-30-740-35-810 द० रो०-35-880-40-1000 द० रो० -40-1200 ।

(ग) भू-विज्ञानी (ग्रुप क—कनिष्ठ वेतनमान) के संवर्ग में भर्ती अंशतः संघ लोक सेवा आयोग की प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा और अंशतः सरकार द्वारा समय समय पर आशोधित भर्ती नियमों के अनुसार विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में सहायक भू-विज्ञानी के निम्न ग्रेड से पदोन्नति द्वारा की जाएगी ।

(घ) सेवा और अवकाश तथा पेशन की शर्तें वही होंगी जो सरकार द्वारा समय समय पर आशोधित मूल नियमों तथा सिविल सेवा विनियमों में उल्लिखित हैं ।

(ङ) भविष्य निधि की शर्तें वही होंगी जो सरकार द्वारा समय समय पर आशोधित सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली में उल्लिखित हैं ।

(च) सहायक भू-विज्ञानियों को भारत में या भारत के बाहर कहीं भी कार्य करना पड़ सकता है ।

2. केन्द्रीय भू-जल बोर्ड

(i) कनिष्ठ जल-भू-विज्ञानी ग्रुप क

(क) नियुक्ति के लिए चुने गए उम्मीदवारों की नियुक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर की जाएगी, यदि आवश्यक हुआ तो यह अवधि बढ़ाई भी जा सकती है ।

(ख) केन्द्रीय भू-जल बोर्ड में वेतन का निर्धारित वेतनमान :—

(i) कनिष्ठ जल भू-विज्ञानी रु० 700-40-900 द० रो० -40-1100-50-1300 ।

(ii) वरिष्ठ जल-भू-विज्ञानी—रु० 1100-50-1600 ।

(iii) निदेशक—रु० 1500-60-1800-100-2000 ।

(iv) मुख्य जल-भू-विज्ञानी—रु० 2250-125-2500 ।

(ग) सरकार द्वारा समय समय पर आशोधित भर्ती नियमों के अनुसार विभाग में पदों के उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति की जाएगी ।

(घ) सेवा और अवकाश तथा पेशन की शर्तें वही होंगी जो सरकार द्वारा समय समय पर आशोधित मूल नियमों और सिविल सेवा विनियमों में उल्लिखित हैं ।

(ङ) भविष्य निधि की शर्तें वही होंगी जो सरकार द्वारा समय समय पर आशोधित सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली में उल्लिखित हैं ।

(च) केन्द्रीय भू-जल बोर्ड के समस्त अधिकारियों को भारत के किसी भी भाग में या भारत से बाहर कार्य करना पड़ सकता है ।

(2) सहायक जल-भू-विज्ञानी, ग्रुप ख

(क) नियुक्ति हेतु चुने गए उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा, यदि आवश्यक समझा गया, तो यह अवधि बढ़ाई भी जा सकती है ।

(ख) वेतन का निर्धारित वेतनमान : रु०-650-30-740-35-810 द० रो० -35-880-40-1000 द० रो० 40-1200 ।

(ग) कनिष्ठ जल-विज्ञानी (ग्रुप क) के संवर्ग में भर्ती अंशतः संघ लोक सेवा आयोग की प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा और अंशतः समय समय पर सरकार द्वारा आशोधित भर्ती नियमों के अनुसार विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा केन्द्रीय भू-जल बोर्ड के सहायक जलविज्ञानी के निम्न ग्रेड से पदोन्नति द्वारा की जाएगी ।

(घ) सेवा, अवकाश और पेशन की शर्तें वही होंगी जो सरकार द्वारा समय समय पर आशोधित मूल नियमों तथा सिविल सेवा विनियमों में उल्लिखित हैं ।

(ङ) भविष्य निधि की शर्तें वही होंगी जो सरकार द्वारा समय समय पर आशोधित सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली में उल्लिखित हैं ।

(च) सहायक जल-भू-विज्ञानियों को भारत में या भारत के बाहर कहीं भी कार्य करना पड़ सकता है ।

परिशिष्ट-IVउम्मीदवारों को सूचनाएँ विवरणिकावस्तु परक परीक्षण

आप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं, उसको "वस्तुपरक परीक्षण" कहा जाता है। इस प्रकार की परीक्षा में आपको उत्तर फैलाकर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिमको आगे प्रश्नांश कहा जाएगा) के लिए कई संभाव्य उत्तर दिए जाते हैं। उनमें से प्रत्येक के लिए एक उत्तर (जिसको आगे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) आपको चुन लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

परीक्षा का स्वरूप

प्रश्न पत्र "परीक्षण पुस्तिका" के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में क्रम संख्या 1, 2, 3, के क्रम से प्रश्न होंगे। हर एक प्रश्न के नीचे ए०, बी०, सी०, क्रम में संभावित उत्तर लिखे होंगे। आपका काम प्रत्येक प्रश्न के लिए एक सही या यदि एक से अधिक उत्तर सही है तो उनमें से सर्वोत्तम उत्तर का चुनाव करना होगा। अन्त में दिए गए नमूने के प्रश्न देख लें। किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रश्न के लिए आपको एक ही उत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक उत्तर चुन लेते हैं तो आपका उत्तर गलत माना जाएगा।

उत्तर देने की विधि

उत्तर देने के लिए आपको अलग से एक उत्तर पत्रक परीक्षा भवन में दिया जाएगा। आपको अपने उत्तर इस उत्तर पत्रक में लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पुस्तिका को छोड़ कर अन्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तर जांचे नहीं जाएंगे।

उत्तर पत्रक में प्रश्नांशों की संख्याएं 1 से 200 तक चार खंडों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने ए०, बी०, सी०, डी०, ई० के क्रम से प्रत्युत्तर छपे होंगे। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा प्रत्युत्तर सही या सर्वोत्तम है, आपको उस प्रत्युत्तर के अक्षर को दर्शाने वाले आयत को पेंसिल से काला बनाकर उसे अंकित कर देना है, जैसा कि संलग्न उत्तर पत्रक के नमूने पर दिखाया गया है।

आपके उत्तर पत्रक में दिए गए उत्तरों का मूल्यांकन एक मूल्यांकन मशीन से किया जाएगा। इसलिए यह जरूरी है कि :

1. आप उसी पेंसिल का प्रयोग करें जो आपको पर्यवेक्षक दें। दूसरी पेंसिलों या पेन के द्वारा बनाए गए निशान, संभव है, मशीन से ठीक ठीक न पढ़ जाएं।
2. अगर आपने गलत निशान लगाया है, तो उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर का निशान लगा दें।

3. उत्तर पत्रक का उपयोग करते समय कोई ऐसी असवधानी न हो जिससे वह खराब हो जाए।

कुछ महत्वपूर्ण नियम

1. आपको परीक्षा आरम्भ करने के लिए निर्धारित समय से 30 मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुँचना होगा और पहुँचते ही अपना स्थान ग्रहण करना होगा।
2. परीक्षा शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
3. परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।

4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक पर्यवेक्षक को सौंप दें। आपको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा-भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है।

5. उत्तर पत्रक पर नियत स्थान पर परीक्षा का नाम, अपना रोल नंबर, केन्द्र, विषय, परीक्षण की तारीख और परीक्षण पुस्तिका की क्रम संख्या साफ साफ लिखें। उत्तर पत्रक पर कहीं भी आपको अपना नाम नहीं लिखना है।

6. परीक्षण-पुस्तिका में दिए गए सभी अनुदेश आपको सावधानी से पढ़ने हैं। चूंकि मूल्यांकन मशीन के द्वारा होता है, इसलिए संभव है कि इन अनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नंबर कम हो जाएं। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविष्टि संदिग्ध है, तो उस प्रश्नांश के लिए आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के दिए गए अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरम्भ या समाप्त करने को कह दे तो उनके अनुदेशों का तत्काल पालन करें।

7. आप अपना प्रवेश प्रमाण पत्र साथ लाएं। आपको अपने साथ एक रबड़ और नीली या काली स्थायी वाली कलम भी लानी होगी। आपको परीक्षा भवन में कोई कच्चा कागज, या कागज का टुकड़ा, पैमाना या लेखन सामग्री नहीं लानी है क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। कच्चे काम के लिए आपको एक अलग कागज दिया जाएगा। आप कच्चा काम शुरू करने के पहले उस पर परीक्षा/परीक्षण का नाम, अपना रोल नम्बर, परीक्षण का विषय और तारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को वापस कर दें। जैसा कि ऊपर कहा जा चुका है, पेंसिल से काला निशान लगाकर उत्तर अंकित करने चाहिए। उत्तर पत्रक पर लाल स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

कुछ उपयोगी सुझाव

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपको गति की अपेक्षा शुद्धता का जांचना है, फिर भी यह जरूरी है कि आपने अपने समय का, बहुत किका-यत के साथ, उपयोग करें। संतुलन के साथ आप जितनी जल्दी आगे बढ़ सकते हैं, बड़ें, पर लापरवाही न हो। अगर आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाते हैं तो चिंता न करें। आप को जो प्रश्न अत्यंत कठिन मानूम पड़े, उन पर समय व्यर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की ओर बढ़ें, और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

चूंकि प्रत्येक प्रश्न के संभाव्य उत्तर दिए होते हैं, इसलिए, हो सकता है कि आप जिन प्रश्नों के उत्तर ठीक ठीक नहीं जानते हों उनके बारे में ऊहापोह के चक्कर में पड़ जाएं। अगर आप किसी प्रश्न के बारे में कुछ भी नहीं जानते हैं तो उसे छोड़ देना अच्छा होगा। ऐसे प्रश्नों पर अंधा अनुमान लगाने की अपेक्षा उनकी छोड़ देने से संभवतः आप को अधिक नम्बर मिल सकते हैं।

प्रश्न इस तरह बनाए जाते हैं कि उनसे आपकी स्मरण शक्ति की अपेक्षा, जानकारी, सूझ-बूझ और विश्लेषण-शक्तता की परीक्षा हो। आपने के लिए यह लाभदायक होगा कि आप संगत विषयों को एक बार सर-सरी निगाह से देख लें और इस बात से आश्वस्त हो जाएं कि आप अपने विषय को अच्छी तरह समझते हैं।

विशेष अनुदेश

जब आप परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाते हैं तब निरीक्षक से आपको उत्तर पत्रक मिलेगा। उत्तर पत्रक पर अपेक्षित सूचना अपनी कसम से भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका देंगे। प्रत्येक परीक्षण-पुस्तिका पर हाशिये में सील लगी होगी जिससे कि परीक्षण शुरू हो जाने के पहले उसे कोई खोल नहीं पाए। जैसे ही आपको परीक्षण-पुस्तिका मिला जाए, तुरंत आप देख

खें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है और सील लगी हुई है। अन्यथा, उसे बदलवा लें। जब यह हो जाए तब आपको उत्तर पत्रक के संबद्ध खाने में अपनी परीक्षण-पुस्तिका की क्रम संख्या लिखनी होगी। जब तक पर्यवेक्षक परीक्षण पुस्तिका की सील तोड़ने को न कहें तब तक आप उसे न तोड़ें।

परीक्षण का समापन

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखना बन्द करने को कहें, आप लिखना बन्द कर दें। जो उम्मीदवार इस तरह भ्रम नहीं करते हैं, वे बंड के भागी होंगे।

जब आपका उत्तर लिखना समाप्त हो जाए तब आप अपने स्थान पर तब तक बैठें रहें जब तक निरीक्षक आपके यहाँ आकर आपकी परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक, न ले जाएं और आपको 'हाल' छोड़ने की अनुमति न दें। आपको परीक्षण-पुस्तिका और उत्तर पत्रक परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है। इस निर्देश का उल्लंघन करने वाले बंड के भागी होंगे।

नमूने के प्रश्न

1. सौर्य वंश के पतन के लिए निम्नलिखित कारणों में से कौनसा उत्तरदायी नहीं है ?

- (क) अशोक के उत्तराधिकारी सबके सब कमजोर थे।
- (ख) अशोक के बाद साम्राज्य का विभाजन हुआ।
- (ग) उत्तरी सीमा पर प्रभावशाली सुरक्षा की व्यवस्था नहीं हुई।
- (घ) अशोकोत्तर युग में अधिक रिक्तता थी।

उत्तर (घ)

2. ससदीय स्वरूप की सरकार में:

- (क) विधायिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।

- (ख) विधायिका कार्यपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (ग) कार्यपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (घ) न्यायपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (ङ) कार्यपालिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।

उत्तर (ग)

3. पाठशाला के छात्र के लिए पाठ्योत्तर कार्य कलाप का मुख्य प्रयोजन:

- (क) विकास की सुविधा प्रदान करना है।
- (ख) अनुशासन की समस्याओं की रोकथाम है।
- (ग) नियत कक्षा-कार्य से राहत देना है।
- (घ) शिक्षा के कार्यक्रम में विकल्प देना है।

उत्तर (क)

4. सूर्य के सबसे निकट ग्रह है:

- (क) शुक्र
- (ख) मंगल
- (ग) बृहस्पति
- (घ) बुध

उत्तर (घ)

5. वन और बाढ़ के पारस्परिक संबंध को निम्नलिखित में से कौन-सा विवरण स्पष्ट करता है ?

- (क) पेड़ पौधे जितने अधिक होते हैं, मिट्टी का क्षरण उतना अधिक होता है जिससे बाढ़ होती है।
- (ख) पेड़ पौधे जितने कम होते हैं, नदियां उतनी ही गाढ़ से भरी होती हैं जिससे बाढ़ होती है।
- (ग) पेड़ पौधे जितने अधिक होते हैं, नदियां उतनी ही कम गाढ़ से भरी होती हैं जिससे बाढ़ रोकी जाती है।
- (घ) पेड़ पौधे जितने कम होते हैं उतनी ही धीमी गति से बर्फ पिघल जाती है जिससे बाढ़ रोकी जाती है।

उत्तर (ग)

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 12th April 1978

No. 19-Pres./78.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Bihar Police :—

Name and rank of the officer

Shri Ramji Singh,
Constable,
Monghyr,
Bihar.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On receipt of information that some dacoits had collected in a house on the night of 13/14th February, 1975, the Additional Superintendent of Police of Gogri, organised a raiding party consisting of two Sub Inspectors and a section of armed Police headed by Shri Ramji Singh. On reaching the house, Shri Ramji Singh alongwith a constable accompanied the Additional Superintendent of Police to surround the criminals from the north and the east. When the raiding party challenged the criminals one of them, who was guarding the gate opened fire at the police party. During the encounter the criminals tried to escape but Shri Ramji Singh in complete disregard of danger to his life pounced upon one of the fleeing criminals and after a scuffle managed to overpower him. One of the criminals fired at the police party injuring two of them. Under the orders of the Additional Superintendent of Police, Shri Ramji Singh then fired upon the assailants and managed to shoot them down. One of them died on the spot and another on the way to this hospital.

Shri Ramji Singh thus showed great courage, determination and devotion to duty of a high order during this action.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 14th February, 1975.

No. 20-Pres./78.—The President is pleased to award the President's Police Medal for gallantry to undermentioned officer of the Manipur Rifles :—

Name and rank of the officer

Shri S. Ibotombi Singh,
Jamadar,
5th Battalion,
Manipur Rifles,
Manipur.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 11th March, 1977 the Post Commander of Lokchao Post near the Indo-Burma border of the 5th battalion Manipur Rifles received information that a large gang of insurgents armed with automatic weapons was about to cross the Lokchao river and into the dense forest area around the post. The Post Commander immediately despatched a party consisting of Jamadar S. Ibotombi Singh and 7 other men. A party was also despatched in another direction so as to block their escape route. At about 12.15 P.M. the party headed by Jamadar S. Ibotombi Singh spotted a gang of 50 insurgents armed with modern weapons at a distance of about 15 yards. In spite of the fact that the party headed by him was heavily outnumbered, Jamadar S. Ibotombi Singh immediately asked his men to charge at the insurgents. In the encounter Naik Tomba Singh and Rifleman Paoginmang fired effectively and pre-empted an attack on the ambush-party of Jamadar S. Ibotombi Singh. When the insurgents again attempted a counter attack, Rifleman Damhen and Thomas threw hand-grenades and one of the insurgents was killed on the spot. On finding that the Manipur Riflemen were determined the insurgents fled. Jamadar S. Ibotombi

Singh ordered his men to pursue the insurgents. In the hot pursuit, one more insurgent was captured and a .303 light machine gun and one .303 rifle with 400 rounds of ammunition were recovered. Jemadar S. Ibotombi Singh continued the pursuit even during the night without rest and food and without caring for his personal safety. During the early hours of 12-3-77 he was able to capture two more insurgents with one G. 3 rifle, one M-22 Chinese rifle with 437 rounds of ammunition and other equipment and documents. Interrogation of these captured insurgents revealed valuable information with the result that more insurgents were captured. The final tally was one killed and 8 captured alive apart from the large number of arms and ammunition that was seized.

In this action Jamadar E. Ibotombi Singh displayed conspicuous gallantry, organisational skill, leadership, determination, great courage and devotion to duty of a very high order.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 11th March, 1977.

No. 21-Pres./78.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Manipur Rifles :—

Names and ranks of the officers

Shri Tomba Singh,
Naik No. 3009,
5th Battalion,
Manipur Rifles,
Manipur.
Shri Paoginmang,
Rifleman No. 5644,
5th Battalion,
Manipur Rifles,
Manipur.
Shri Thomas, Rifleman No. 5427,
5th Battalion,
Manipur Rifles,
Manipur.
Shri Damhen,
Rifleman No. 5454,
5th Battalion,
Manipur Rifles,
Manipur.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On 11th March, 1977 the Post Commander of Lokchao Post near the Indo-Burma border of the 5th Battalion Manipur Rifles received information that a large gang of insurgents armed with automatic weapons was about to cross Lokchao river in the dense forests around the post. The Post Commander immediately despatched a party consisting of Jamadar S. Ibotombi Singh and 7 other men. Another party was also despatched in another direction so as to block the escape route. At about 12.15 p.m. the party headed by Jamadar S. Ibotombi Singh spotted a gang of 50 insurgents armed with modern weapons at a distance of about 15 yards. In spite of the fact that the party headed by him was heavily outnumbered, Jamadar S. Ibotombi Singh immediately asked his men to charge at the insurgents. In the encounter Naik Tomba Singh and Rifleman Paoginmang fired tactfully and effectively from their IMG and did not allow them to form and charge on the ambush party of Jamadar S. Ibotombi Singh. When the insurgents attempted a counter attack riflemen Damhen and Thomas threw hand-grenades very skillfully which completely demoralised them. On finding that the Manipur Riflemen were determined in their attack, the insurgents took to their heels. During this encounter one insurgent was killed. Jamadar S. Ibotombi Singh ordered his men to pursue the insurgents without wasting time. In the hot pursuit, one more insurgent was captured and a .303 light machine gun and one .303 rifle with 400 rounds of ammunition were recovered. They continued the pursuit during the day and the night without any rest and food. During the early hours of 12-3-77 they were able to capture two more insurgents with one G-3 rifle, one M-22 Chinese rifle with 437 rounds of ammunition and other equipment and documents. Interrogation of these captured insurgents revealed valuable information with the result that more insurgents were captured. In the entire operation one insurgent was killed and 8 captured alive. Apart from this, a large number of arms and ammunition was also seized.

In this action Shri Tomba Singh, Shri Paoginmang, Shri Thomas, and Shri Damhen displayed gallantry, skill, initiative, dedication and devotion to duty of a high order.

2. These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 11th March, 1977.

No. 22-Pres./78.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Assam Police :—

Name and rank of the officer

Shri Rajendra Nath Bazborah, (Deceased)
Sub-Inspector of Police,
Cachar D.F.F.,
Assam.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 26th April, 1977 at about 2.30 A.M. Sub-Inspector Rajendra Nath Bazborah alongwith a Police party went to Dhanipur village to conduct a raid for arresting certain wanted persons. The Police party managed to arrest the accused but one of them escaped. When the Police party, returning to the police station with the arrested persons, reached Majirgram Shri Rajendra Nath Bazborah received information that the wanted person had returned to his house and the stolen articles were in the house. Leaving the arrested persons in the custody of the remaining members of the party, Shri Bazborah came back to Dhanipur with an Assistant Sub-Inspector and two Constables. When the police party reached the house of the accused, he came out with a spear and challenged the police party. He was also joined by some other persons who were also armed with spears. Despite being outnumbered by the assailants, Shri Bazborah in utter disregard of his personal safety rushed forward to arrest the criminal but the later managed to deliver a blow with a spear on Shri Bazborah's chest. The other criminals attacked Assistant Sub-Inspector Dires Ch. Nath causing him serious injuries. Sub-Inspector Rajendra Nath Bezborah succumbed to his injuries on the spot. The criminals were, however, later overpowered by the villagers.

Shri Rajendra Nath Bezborah thus showed exemplary courage, leadership, determination and devotion to duty of a very high order.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 26th April, 1977.

No. 23-Pres./78.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the West Bengal Police :—

Name and rank of the officer

Shri Loke Nath Barman,
Constable No. 1152,
District Armed Police,
Jalpaiguri,
West Bengal.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 11th May, 1975 a patrol party led by an Assistant Sub Inspector of the Moynaguri Police Station was detailed for patrolling the Dababari Jabramali area for locating a notorious absconding dacoit who was wanted in a large number of criminal cases. At about 23.30 hours the police party arrived at Debabari and joined local resistance group volunteers who were already patrolling the village. During patrolling they heard sounds of firing in Jabramali on the other side of the Dharaikuri river. The police party alongwith four members of the resistance group rushed to Jabramali and found a gang of armed dacoits being chased by some villagers along the river bank. At the sight of the approaching police party, the dacoits opened fire. Before the police party could retaliate, they succeeded in hitting one member of the local resistance group who subsequently died in the hospital. While the other members of the police party and resistance group lost ground because of the heavy firing by the dacoits, Constable Loke Nath Barman stood firm and returned the fire. He fired 9 rounds and managed

to hit one of the dacoits who died on the spot. The other dacoits succeeded in escaping. The dead dacoit was found to be the absconding dacoit and with his death the entire gang of dacoits was ultimately liquidated.

Shri Loke Nath Barman displayed courage, determination, fortitude and devotion to duty of a high-order.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 11th May, 1975.

M. C. MADAPPA, Secy. to the President

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

New Delhi-110011, the 13th March, 1978

RESOLUTION

No. M(Haj)118-1/13/77.—The Government of India have reconstituted the Central Haj Advisory Board for the year 1978 with the following membership :—

1. Shri T. O. Bawa
 2. Shri Ghulam Mohmad Bhat
 3. Smt. Rashida Haque Choudhury, M.P.
 4. Moulana Sayed Ahmed Hashmi, M.P.
 5. Alhaj Shri M. A. Hanan, M.P.
 6. Shri K. P. Hassan Haji
 7. Shri M. M. Hashim, M.P.
 8. Shri C. Ibrahim
 9. Shri M. S. Abdul Khader, M.P.
 10. Shri Ghayoor Ali Khan, M.P.
 11. Shri Mahmood Hassan Khan, M.P.
 12. Moulana Mohamed Irfan Khan
 13. Shri Shamsul Hasan Khan, M.P.
 14. Haji Karamatullah Khan
 15. Shri S. A. Mehdi
 16. Shri Mohamed Ali Mitha
 17. Shri M. O. H. Farooq Marikar
 18. Shri Abdul Hameed Rahmani
 19. Shri Z. G. Rangoonwalla
 20. Shri Ghulam Sarwar
 21. Shri Hamid Ali Shammad, M.P.
 22. Shri Nafees Ahmed Siddiqui
 23. Shri Ahmed Baksh Sindhi
 24. Shri A. U. Sheikh
 25. Shri Mohamed Yusuf
2. Alhaj Shri M. A. Hanan, M.P., shall be the Chairman of the Board.
3. The Joint Secretary, in-charge of the Haj Affairs in the Ministry of External Affairs, shall be the Ex-officio Secretary and Convenor of the Board.
4. The Board shall advise the Government of India on matters relating to Haj and Ziarat as hitherto.

ORDER

Ordered that a copy of this Resolution be communicated to all the Ministries of the Government of India, the Prime Minister's Office, the Cabinet Secretariat, Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha and Rajya Sabha Secretariats, all State Governments, Centrally Administered areas, the Haj Committee, Bombay, all State Haj Committees and M/s. Mogul Line Limited, Bombay, for information.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India.

S. SHAHABUDDIN
Jt. Secy. (Haj)

MINISTRY OF FINANCE DEPT. OF ECONOMIC AFFAIRS BANKING DIVISION

New Delhi-110001, the 31st March 1978

No. 10(2)-B.O.III/77.—In continuation of the Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Banking Division) Notification No. 10(2)-B.O.III/77 dated the 28th December, 1977 Government are pleased to extend further the tenure of the One-man Committee (Banking Laws Committee) till 30th June, 1978.

BALDEV SINGH
Jt. Secy.

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 21st March 1978

RESOLUTION

No. 1.12013(1)/77-Plant(A).—In paragraph 2 and 3 of the Ministry of Commerce Resolution No. 1.12013(1)/77-Plant(A) dated 3rd February, 1978 published in the Gazette of India Extraordinary dated 3rd February, 1978, the following amendments/additions shall be made :—

For the existing entries in para 2 (b) (ii) and (v), the following shall be substituted,

- (ii) Shri B. K. Dutt,
Chairman, Tata Finlay Limited,
2, Netaji Subhas Road, Calcutta-1.
- (v) Shri C. Prabhakaran,
C/o Aspinwall & Co. Ltd.,
Post Box No. 2,
Cochin-682001.

The following shall be added at the end of para 3,

"The Committee shall have powers to co-opt other members."

ORDER

Ordered that the Resolution be published in the Gazette of India.

MRS. KOMAL ANAND
Dy. Secy.

MINISTRY OF INDUSTRY DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

New Delhi, the 16th March 1978

RESOLUTION

No. E-11015(5)/77-HS.—The Government of India have decided to constitute a Hindi Salahkar Samiti for the Ministry of Industry. Its composition, functions etc. will be as given hereunder :—

Chairman

1. Shri George Fernandes,
Minister of Industry.

Vice-Chairman

2. Smt. Abha Maiti,
Minister of State.

Member

3. Thakur Ramapati Singh,
Member, Lok Sabha.
4. Shri Madan Lal Shukla,
Member, Lok Sabha.
5. Shri Ganesh Lal Mali,
Member, Rajya Sabha.
6. Shri Shyam Lal Gupta,
Member, Rajya Sabha.

7. Shri Krishan Chander Vidyalkar,
Editor 'Vitt', New Delhi.
8. Shri Anurit Rai, Hans Prakashan,
Allahabad.
9. Dr. Ram Darsh Misra,
Delhi University, Delhi.
10. Shri Umashanker Joshi,
26, Setu, Sardar Patel Nagar, Ahmedabad.

Ex-Officio Member

11. Shri R. P. Naik, Secretary, Raj Bhasha Vibhag and
Hindi Adviser to the Government of India.
12. Shri S. S. Marathe,
Secretary, Deptt. of Ind. Dev.
13. Shri V. Krishnamurthy,
Secretary, Deptt. of Heavy Industry.
14. Brig. B. J. Shahane,
Secretary (TD) and Director-General,
Technical Development.
15. Shri L. Kumar,
Chairman, Bureau of Industrial Costs & Prices.
16. Shri M. A. Rangaswamy,
Special Secretary, Deptt. of I. D.
17. Shri G. V. Ramakrishna,
Additional Secretary, Deptt. of I. D.
18. Shri S. J. Coelho,
Joint Secretary, Deptt. of I. D.
19. Shri B. R. R. Iyengar,
Joint Secretary, Deptt. of I. D.
20. Shri Naresh Chandra,
Joint Secretary, Deptt. of H. I.
21. Shri I. C. Puri,
Development Commissioner,
Small Scale Industries.
22. Dr. Bimal Jalan,
Economic Adviser.
23. Shri P. S. Krishnan,
Chairman, All India Handicrafts Board.
24. Shri Mani Narayanaswami,
Development Commissioner for Handlooms.
25. Shri K. Sreenivasan,
Chairman,
National Textile Corporation.

Member Secretary

26. Shri G. N. Mehra,
Joint Secretary in-charge of Hindi Work (Deptt. of
I. D.).

II. *Functions :*

The functions of the Samiti will be to advise the Ministry of Industry and its Attached and Sub-ordinate offices on matters relating to progressive use of Hindi for Official purposes and allied issues falling within the frame-work of the policy laid down by the Ministry of Home Affairs.

III. *Tenure :*

The term of the Samiti will be three years from the date of its composition provided that :—

- (a) a member, who is a Member of Parliament, ceases to be a member of the Samiti as soon as he ceases to be a Member of Parliament;
- (b) Ex-Officio members of the Samiti shall continue as members as long as they hold office by virtue of which they are the members of the Samiti;
- (c) If a vacancy arises on the Samiti due to resignation, death etc. of a member, the member appointed in that capacity shall hold office for the residual term.

IV. *General :*

- (i) The Samiti may Co-opt additional members and invite experts to attend its meetings or appoint Sub-Committees as may be considered necessary.

- (ii) The headquarter of the Samiti shall be at New Delhi but it may hold its meetings at any other station also.

V. *Travelling and other Allowances :*

The non-official members will be paid travelling and daily allowances for attending the meetings of the Samiti and the Sub-Committees of the Samiti at the rates fixed by the Government of India from time to time.

ORDER

Ordered that a copy of this Resolution be communicated to all the members of the Samiti and Ministries/Departments of the Government of India, Prime Minister's Secretariat, Cabinet Secretariat, Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Planning Commission, President's Secretariat, Controller and Auditor General of India and Pay & Accounts Office of the Department of Industrial Development.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

P. C. NAYAK
Jt. Secy.

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION
(DEPARTMENT OF IRRIGATION)

New Delhi-110001, the 27th March 1978

CORRIGENDUM

No. 21/9/71-DW(N)/IT.—In partial modification of this Ministry's Resolution No. 21/9/71-DW(N)/IT-Vol.II dated 18-1-78, the following line may be added at S. No. 6 after Secretary to the Govt. of Rajasthan, Finance Department.

'(or an officer deputed by him to attend any particular meeting)'

ORDER

Ordered that this corrigendum be communicated for information to the State Governments concerned and to the Ministries of Finance, Home Affairs and Agriculture and the Planning Commission.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India and that the State Governments concerned be requested to publish it in the State Gazettes for general information.

O. P. CHADHA
Jt. Secy.

MINISTRY OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE
(DEPARTMENT OF EDUCATION)

New Delhi, the 22nd March 1978

No. F.7-4/77-D.I(L).—The Hindi Shiksha Samiti was last reconstituted by this Ministry's Resolution No. F.7-2(3)/74-D.I(L) dated 29-4-75. The tenure of the reconstituted samiti having expired on 31-12-77, the Samiti is hereby further reconstituted as follows :—

*Composition :**Chairman*

1. Minister for Education, Social Welfare and Culture.

Vice-Chairman

2. Minister of State (Department of Education).

Members

3. Four Members of the Lok Sabha nominated by the Speaker.

(i) Shri V. G. Hande

(ii) Shri M. V. Krishnappa

- (iii) Dr. Ramji Singh
- (iv) Shri Biji Bhushan Tiwari
- 4. Two Members of the Rajya Sabha nominated by the Chairman
 - (i) Shri Jagdish Joshi
 - (ii) Prof. Ram Lal Parikh
- 5. Education Secretary.
- 6. Hindi Adviser to Government of India.
- 7. Joint Secretary/Joint Educational Adviser in charge of Languages in the Department of Education.
- 8. Chairman, Commission for Scientific and Technical Terminology.
- 9. Chairman, Kendriya Hindi Shikshan Mandal, Agra.
- 10. One representative each nominated by the Governments of non-Hindi speaking States.
- 11. One representative each from the following Voluntary Hindi Organisations :
 - (i) Akhil Bhartiya Hindi Sanstha-Sangh, New Delhi.
 - (ii) Dakshina Bharat Hindi Prachar Sabha, Madras.
 - (iii) Hindi Sahitya Sammelan, Allahabad.
 - (iv) Rashtrabhasha Prachar Samiti, Wardha.
 - (v) Assam Rashtrabhasha Sevak Sangh, Gauhati.
 - (vi) Hindi Shikshak Sangh, Degarapara, Cuttack, Orissa.
- 12. Three prominent Hindi scholars :
 - (i) Prof. Sunder Reddi
Professor of Hindi, Andhra University.
 - (ii) Professor R. S. Tomar, Vishva Bharati, Shantiniketan.
 - (iii) Acharya Vishavnath Prasad,
Vikram University (Retd.)
Vani Vitan Brahmaal, Varanasi.
- 13. Two linguistic experts :
 - (i) Dr. B. G. Mishra,
Kendriya Hindi Sansthan,
Delhi Aurobindo Ashram Marg, New Delhi.
 - (ii) Prof. R. N. Srivastava, Head, Linguistic Dept.
Delhi University, Delhi.

Member-Secretary

- 14. Director/Deputy Secretary/Deputy Educational Adviser in Charge of Hindi in the Department of Education.

Permanent Invitees :

- (i) Honorary Consultant/Commission for Scientific and Technical Terminology/Ministry of Education and Social Welfare.
- (ii) Director, Kendriya Hindi Sansthan, Agra.
- (iii) Additional Director, Central Hindi Directorate New Delhi.

The Vice-Chairman shall preside over the meetings of the Samiti in the absence of the Chairman.

II. Tenure :

The tenure of the members of the Samiti shall ordinarily be upto the 31st December, 1980 provided that :

- (i) A member nominated under Clauses 3 & 4 shall cease to be a member of the Samiti as soon as he ceases to be a Member of Parliament;

(ii) The Ex-officio members of the Samiti shall continue as members so long as they hold the office by virtue of which they are members of the Samiti;

(iii) Other nominated members shall hold office during the pleasure of the Government of India.

(iv) If a vacancy arises on the Samiti due to resignation, death, etc. of a member, the member appointed in that vacancy shall hold office for the residue of the tenure of three years.

III. Quorum :

The quorum for the meetings of the Samiti shall be 1/3 of total membership of the Samiti.

IV. Functions :

The Samiti shall advise the Government of India on matters of policy pertaining to the propagation and development of Hindi in the country.

V. Karya Karini Up-samiti :

In order to enable the Samiti to discharge its various functions effectively it may appoint a Karyakarini Upasamiti. The Upasamiti shall ordinarily consist of not more than 15 members to be nominated by the Chairman. The Vice-Chairman of the Samiti shall function as the Chairman of the Upasamiti. The Chairman of the Upasamiti shall have the power to co-opt persons either from amongst the members of the Samiti or from outside who possess specialist knowledge and experience of the problems of propagation and development of Hindi in the country.

ORDER

Ordered that a copy of this Resolution be communicated to all the Non-Hindi speaking States, Prime Minister's Secretariat, Cabinet Sectt., Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Planning Commission, President's Secretariat and all the Ministries and Departments of the Government of India.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

K. K. SETHI
Director (Languages)

DEPARTMENT OF SOCIAL WELFARE

New Delhi, the 29th March 1978

RESOLUTION

No. F.2-1/77-WW.—In partial modification of the composition of the National Committee on Women as made known in para 4 of Resolution No. 2-1/77-WW dated 21 January 1978, Smt. Jayashree Banerjee, Minister of Social Welfare, Madhya Pradesh, Bhopal, is nominated *vice* Shri Pawan Diwan, whose portfolio has changed.

PADMA RAMACHANDRAN
Jt. Secy.

MINISTRY OF STEEL AND MINES

RULES

New Delhi, the 22nd April 1978

No. A-12025/1/78-M2.—The rules for a combined competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1978 for the purpose of filling vacancies in the following posts are, with the concurrence of the Ministry of Agriculture and Irrigation, published for general information :—

Category I (Posts in the Geological Survey of India, Ministry of Steel and Mines)

- (i) Geologist (Junior), Group A and
- (ii) Assistant Geologist Group B

Category II (Posts in the Central Ground Water Board, Ministry of Agriculture and Irrigation)

- (i) Junior Hydrogeologist, Group A
(ii) Assistant Hydrogeologist, Group B

1. A candidate may compete in respect of any one or both the categories of posts mentioned above. He should clearly indicate in his application the posts for which he wishes to be considered in the order of preference.

No request for alteration in the preferences indicated by a candidate in respect of posts covered by the category/categories for which he is competing would be considered unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission on or before 30th November, 1978.

2. Appointments on the results of the examination will be made on a temporary basis in the first instance. The candidates will be eligible for permanent appointment in their turn as and when permanent vacancies become available.

3. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951; the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951; as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960; the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976 the Constitution (Jammu & Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956, the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1956; the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962, the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964, the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967, the Constitution (Goa Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968 the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968 and the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970.

4. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix I to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

5. A candidate must be either—

- a citizen of India, or
- a subject of Nepal, or
- a subject of Bhutan, or
- A Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

4—31GI/78

6. (a) A candidate for this examination must have attained the age of 21 years and must not have attained the age of 30 years on 1st January, 1978, i.e., he must have been born not earlier than 2nd January 1948 and not later than 1st January 1957.

(b) The upper age limit will be relaxable by 7 years in the case of Government servants if they are employed in a Department mentioned in column 1 below and apply for the corresponding post(s) mentioned in column II.

Column I	Column II
Geological Survey of India	Geologist (Junior) Group A, Assistant Geologist, Group B.
Central Ground Water Board	Junior Hydrogeologist, Group A, Assistant Hydrogeologist, Group B.

(c) The upper age limits prescribed above will be further relaxable :—

- up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971
- up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964 :
- up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;
- up to a maximum of three years if candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.
- up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof;
- up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country in a disturbed area and released as a consequence thereof, who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- up to a maximum of three years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof; and

(xii) up to a maximum of eight years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof who belong to the the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.

(xiii) upto a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July 1975.

(xiv) A candidate who exceeds the prescribed upper age limit on the crucial date viz. 1st January, 1976 and who was detained under the Maintenance of Internal Security Act or was arrested or imprisoned under the Defence and Internal Security of India Act, 1971 or Rules thereunder during the period of Internal Emergency between 25-6-1975 and 21-3-1977 on account of alleged political activities or association with erstwhile banned organisations and thus prevented from appearing at the examination while he was still within the age-limits prescribed for admission to this examination, will be eligible to appear at the examination subject to the condition that he should not have sat for i.e. (he should have foregone) the examination at least once during the period between June 1975 and March 1977.

NOTE : Under this concession, which will not be admissible for admission to any examination held after 31-12-1979, not more than one chance will be allowed.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

N.B.—(i) The candidature of a person who is admitted to the examination under the age concession mentioned in Rule 6(b) above, shall be cancelled, if after submitting his application, he resigns from service or his services are terminated by his department/office, either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible if he is retrenched from the service or post after submitting the application.

(ii) A candidate who, after submitting his application to his department is transferred to other department/office will be eligible to compete under departmental age concession for the post(s), for which he would have been eligible, but for his transfer, provided his application duly recommended, has been forwarded by his parent Department.

7. A candidate must have—

(a) Masters' degree in Geology or Applied Geology from a University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational Institutes established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act 1956; or

(b) Diploma of Associateship in Applied Geology of the Indian School of Mines, Dhanbad.

NOTE I.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination, but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible, and in any case not later than 30th October, 1978.

NOTE II.—In exceptional cases, the Commission may treat a candidate who has not any of the qualifications prescribed in this rule, as educationally qualified provided that he has passed examinations conducted by other institutions, the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

NOTE III.—A candidate who is otherwise eligible but who has taken a degree from a foreign University may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

8. Candidates must pay the fee prescribed in para 6 of the Commission's Notice.

9. All candidates in Government service whether in a permanent or in temporary capacity or as work charged employees other than casual or daily rated employees, will be required to submit a "No Objection Certificate" from the Head of their Office-Department in accordance with the instructions contained in para 2 of Annexure to the Commission's Notice.

10. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

11. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

12. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) attempting to commit or as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

13. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for an interview for a personality test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for interview for a personality test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

14. After the examination the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Service, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

15. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

16. Due consideration will be given at the time of making appointments on the results of the examination to the preferences expressed by a candidate for the various posts at the time of his application.

17. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate, having regard to his character and antecedents, is suitable in all respects for appointment to the post.

18. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of the duties of the post. A candidate who after such medical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe is found not to satisfy those requirements, will not be appointed. Only candidates who are likely to be considered for appointment will be physically examined. Candidates will have to pay a fee of Rs. 16.00 to the Medical Board concerned at the time of the Medical examination.

NOTE—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment to Gazetted posts and of the standards required are given in Appendix II. For the disabled ex-Defence Services personnel and the Border Security Force Personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and released as a consequence thereof, the standards will be relaxed consistent with the requirements of the posts.

19. No person—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

20. Brief particulars relating to the posts to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix III.

K. N. NAYAR, Under Secy.

APPENDIX I

1. The examination shall be conducted according to the following Plan :—

PART I—Written examination in the subjects as set out in para 2 below.

PART II—Interview for Personality Test of such candidates as may be called by the Commission, carrying a maximum of 200 marks (see para 7 below).

2. The following will be the subjects for the written examination :—

APPENDIX I

Subject	Duration	Maximum marks
(1) General English	1½ hrs.	100
(2) Geology Paper I, comprising of General Geology, Geomorphology, Structural Geology, Stratigraphy and Palaeontology	3 hrs.	200
(3) Geology Paper II, comprising of Crystallography, Mineralogy, Petrology, Geochemistry, Economic Geology and Indian Mineral deposits.	3 hrs.	200
(4) Geology Paper III, comprising of Mineral Exploration and Mineral Economics	1½ hrs.	100
(5) Hydro-geology	1½ hrs.	100

NOTE.—Candidates competing for posts under both category I and category II will be required to offer all the five subjects mentioned above. Candidates competing for posts under category I only will be required to offer subjects at (1) to (4) above and candidates competing for posts under category II only will be required to offer subjects (1) to (3) and (5) above.

3. The examination in all subjects will be completely of objective (multiple choice answer) type. For details including Sample Questions, please see 'Candidates' Information Manual' at Appendix IV.

4. The standard and syllabus of the examination will be as shown in the Schedule.

5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write answer for them.

6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

7. Special attention will be paid in the Personality Test to assessing the candidate's capacity for leadership, initiative and intellectual curiosity, tact and other social qualities, mental and physical energy, powers of practical application, integrity of character and aptitude for adapting themselves to the field life.

8. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

SCHEDULE

STANDARD AND SYLLABUS

The standard of the paper in General English will be such as may be expected of a science graduate. The papers on geological subjects will be approximately of the M.Sc. degree standard of an Indian University and questions will generally be set to test the candidates grasp of the fundamentals in each subject.

There will be no practical examination in any of the subjects.

(1) GENERAL ENGLISH

Questions to test the understanding of and the power to write English.

(2) GEOLOGY PAPER I

A. *General Geology*.—Origin of the Earth. Continents and Oceans—their distribution, evolution and origin. Continental drift, ocean spreading and concept of plate-tectonics. Palaeoclimates and their significance. Isostasy. Palaeomagnetism. Radioactivity and its application to Geology. Geochronology and age of the Earth. Seismology and interior of the Earth. Geosynclines. Volcanism. Island arcs, deep-sea trenches and midoceanic ridges. Coral reefs. Orogeny and epeirogeny. Orogenic cycles.

B. *Geomorphology*.—Geomorphic processes, features and their parameters. Geomorphic cycles and their interpretations. Topography and its relation to structures. Soils.

C. *Structural Geology*.—Physical properties of rocks. Deformation. Faulting and folding—their mechanics. Primary structures. Lineation, foliation and joints. Plutons, diapirs and salt domes. Recognition of top and bottom of beds. Unconformities. Diastrophism. Petrofabric analysis.

D. *Stratigraphy*.—Principles of stratigraphy and nomenclature. Outlines of world stratigraphy and palaeogeography. Type sections of the various geological systems. Gondwana System and Gondwanaland.

Stratigraphy and Palaeogeography of the Indian sub-continent (India, Pakistan and Bangladesh). Correlation of the major Indian formations. Age problems in Indian stratigraphy.

E. *Palaeontology*.—(a) Fossils their nature, modes of preservation and uses. Morphology, classification and geological history of the invertebrates; corals, brachiopods, lamellibranchs, ammonites, gastropods, trilobites, echinoderms, graptolites and foraminifera.

(b) Principal groups of vertebrates with emphasis on Gondwana and Siwalik faunas. Evolutionary histories of man, elephant and horse.

(c) Fossil flora with emphasis on Gondwana flora and its significance and distribution.

(d) Micropalaeontology its importance with special reference to foraminifera, their ecology and palaeoecology.

(3) GEOLOGY PAPER II

A. CRYSTALLOGRAPHY

Symmetry elements and classification of crystals. Projections Spherical and Stereographic; 32 classes (Point groups). Space lattice and space groups. Basic principles of X-ray crystallography. Twinning and crystal imperfection.

B. DESCRIPTIVE MINERALOGY

Atomic structure. Packing and bonding in crystals. Atomic substitution—type structures. Physical, chemical, electrical, magnetic and thermal properties of minerals. Structure and classification of silicates.

Olivine group, Garnet Group, Epidote group and Melilite group, Zircon, Spinel, Sillimanite, Andalusite, Kyanite, Topaz, Staurolite, Beryl, Cordierite, Tourmaline Pyroxene group and Amphibole group. Wollastonite and Rhodonite. Mica group, Chlorite group and Clay minerals. Feldspar group, Silica minerals, Feldspathoid group, Zeolite group and Scapolite group. Oxides, Hydroxides, Carbonates, Phosphates, Halides, Sulphides and Sulphates.

C. OPTICAL MINERALOGY

General principles of optics. Optical accessories. Retardation, Birefringence, Extinction angle, Pleochroism. Optical ellipsoids. Optical axial angle. Optic orientation. Dispersion. Optic anomalies. Universal stage and its uses.

D. PETROLOGY

(i) *Igneous*: Forms, structures, texture and classification. Granite-Granodiorite-Diorite. Syenite-Nepheline Syenite.

Gabbro-Peridotite-Dunite. Dolerite, Lamprophyre, Pegmatite, Aplite, Trolite and Carobnalite. Rhyolite, Trachyte, Dacite, Andesite and Basalt

Phase rule and equilibrium in silicate system. Two component and three-component systems. Order of crystallisation. Reaction principle. Crystallisation of magmas. Diversity Variation diagrams. Origin of granites, monomineralic and alkaline rocks, carbonatites, pegmatites and lamprophyres.

(ii) *Sedimentary*: Classification and composition. Origin of sediments. Textures and structures. Study of important groups of sedimentary rocks. Mechanical analysis of sediments. Methods of deposition. Palaeocurrents and basin analysis. Provenance of sediments. Depositional environments. Heavy minerals and their significance. Lithification and diagenesis.

(iii) *Metamorphic*: Agents, types, controls, structures, grades and facies of metamorphism. Metamorphic differentiation. Metasomatism and granitisation. Migmatites, granulites, charnockites, amphibolites, schists, gneisses and hornfels. Metamorphism in relation to magma and orogeny.

E. GEOCHEMISTRY

Cosmic abundances of elements, primary geochemical differentiation of the Earth; geochemical classification of the elements. Trace elements. Geochemistry of water. Geochemistry of sediments, geochemical cycle and principles of geochemical prospecting.

F. ECONOMIC GEOLOGY

Mineral deposits—processes of formation, controls of localisation and classification. Study of important metallic and non-metallic minerals with reference to their mineralogy, mode of occurrence and distribution.

G. INDIAN MINERAL DEPOSITS

Indian deposits of the following metallic and non-metallic ores and minerals with reference to their distribution, mode of occurrence and origin:

(a) Copper, Lead, Zinc, Aluminium, Magnesium, Iron, Manganese, Chromium, Gold, Silver, Tungsten and Molybdenum.

(b) Mica, Vermiculite, Asbestos, Barytes, Graphite, Gypsum, Ochre, Precious and Semiprecious minerals, refractory minerals, abrasives, and minerals for ceramics, glass, fertiliser, cement, paint and pigment industries and building stones.

(c) Coal, petroleum, natural gas and atomic energy minerals.

(4) GEOLOGY PAPER III

(a) Methods of surface and sub-surface exploration, field equipment and field tests used for exploration; guides for locating ore deposits. Sampling, assaying and evaluation of ore deposits. Application of geophysical, geochemical and geo-botanical surveys in mineral exploration.

(b) Significance of minerals in national economy. Use of various minerals, in manufacturing industries. Demand, supply and substitutes. Production and price of major minerals in India. International aspects of mineral industries. Strategic critical and essential minerals. Conservation and national mineral policy. India's status in mineral production.

(5) HYDROGEOLOGY

Hydrological cycle. Distribution of water in the earth's crust. Ground Water in hydrological cycle. Origin of ground water, meteoric, juvenile and magmatic waters, springs. Classification of rocks with respect of water bearing characteristics. Hydro-stratigraphic units. Geological structures favouring ground water occurrence. Ground water provinces. Ground water reservoirs—Aquifers, aquicludes, aquitards. Classification of aquifers.

Hydrological properties of rocks (Ground water reservoirs) porosity, void ratio, permeability, transmissivity, storativity, specific yield, specific retention, diffusivity. Methods of identification of ground water reservoir properties—Permea-

bility and specific yield/storativity by discharging well methods and laboratory techniques. Forces causing ground water movement. Laws of ground water movement—Darcy's law. Ground water recharge—artificial and natural, factors controlling recharge, conjunctive and consumptive use of ground water.

Surface and sub-surface techniques of ground water exploration—geological and geophysical—water balance. Techniques of ground water extraction (Types of wells, methods of well construction in different types of rocks for best yield). Chemical characteristics of ground water in relation to various uses—domestic, industrial and irrigational. Water pollution.

APPENDIX-II

REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES

[These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming up to the required physical standard. The regulations are also intended to provide guide lines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy the minimum requirements prescribed in the regulations cannot be declared fit by the medical examiners. However, while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in these regulations, it would be permissible for a Medical Board to recommend to the Government of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government.

It should, however, be clearly understood that the Government of India reserve to themselves, absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board. For the disabled ex-Defence Services Personnel and the Border Security Force Personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof, the standards will be relaxed consistent with the requirement of the posts).

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race, it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates, if there be any disproportion with regard to height, weight, and chest girth, the candidate should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

3. The candidate's height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard; the chin will be depressed to bring the vertex of the head-level under the horizontal bar, and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the inferior angles of the shoulder blades behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres thus 84-89, 86-93.5 etc. In recording the measurements fractions of less than half a centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighed and his weight recorded in Kilograms fraction of half a Kilogram should not be noted.

6. The candidate's eye-sight will be tested in accordance with following rules. The result of each test will be recorded.

(i) *General*.—The candidate's eyes will be submitted to a general examination directed to the detection of any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffers from any squint or morbid conditions of eyes, eyelids or contiguous structures of such a sort as to render or are likely at a future date to render him unfit for service.

(ii) *Visual Acuity*.—The examination for determining the acuteness of vision includes two tests, one for the distant, the other for near vision. Each eye will be examined separately.

There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidate shall, however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eyes.

The standards for distant and near vision with or without glasses shall be as follows :—

Distant Vision		Near Vision	
Better eye	Worse eye	Better eye	Worse eye
6/9 or 6/6	6/9 or 6/12	0.6	0.8

NOTE (1) Total amount of Myopia (including the cylinder shall not exceed—4.000. Total amount of Hypermetropia (including the cylinder) shall not exceed +4.000.

NOTE (2) *Fundus Examination* : Wherever possible fundus examination will be carried out at the discretion of the Medical Board and results recorded.

NOTE (3) *Colour vision* : (i) The testing of colour vision shall be essential.

(ii) Colour preception should be graded into a higher and a lower grade depending upon the size of the aperture in the lantern as described in the table below :

Grade	Higher Grade of Colour perception	Lower Grade of Colour perception
1. Distant between the lamp and candidate	4.9 metres	4.9 metres
2. Size of aperture	1.3 mm.	13mm.
3. Time of Exposure	5 sec.	5 sec.

For the services concerned with safety of the Public, e.g. pilots, drivers, guards, etc., the higher grade of colour vision is essential but for others the lower grade of colour vision should be considered sufficient. The same standards of colour vision should be applicable in respect of all engineering personnel in whose case colour perception is considered essential irrespective of the fact whether their duties involve field work or not.

(iii) Satisfactory colour vision constitutes recognition with ease and without hesitation of signal red, signal green and white colours. The use of Ishihara's plates, shown in good light and a suitable lantern like Edrige Green shall be considered quite dependable for testing colour vision. While either of the two tests may ordinarily be considered sufficient, in respect of the services concerned with road, rail and air traffic, it is essential to carry out the lantern test. In doubtful cases where a candidate fails to qualify when tested by only one of the two tests, both the tests should be employed.

NOTE (4) —*Field of vision*—The field of vision shall be tested by the confrontation method. Where such test gives unsatisfactory or doubtful results the field of vision should be determined on the perimeter.

NOTE (5) —*Night Blindness*—Night blindness need not be tested as a routine, but only in special cases. No standard test for the testing of night blindness or dark adaptation is prescribed. The Medical Board should be given the discretion to improvise such rough tests, e.g., recording of visual acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened room after he/she has been there for 20 to 30 minutes. Candidates' own statements should not always be relied upon, but they should be given due consideration.

NOTE (6) —(a) *Ocular conditions other than visual acuity*—any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered as a disqualification.

(b) *Trachoma*—Trachoma unless complicated shall not ordinarily be a cause for disqualification.

(c) *Squint*—Where the presence of binocular vision is essential squint, even if the visual acuity is of a prescribed standard should be considered as a disqualification.

(d) *One eyed persons*—The employment of one-eyed individuals is not recommended.

7 Blood Pressure

The Board will use its discretion regarding Blood Pressure. A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows—

(i) With young subjects 15—25 years of age the average is about 100 plus the age.

(i) With subjects over 25 years of age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

NB—As a general rule any systolic pressure over 140 mm and diastolic over 90 mm should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalisation report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc., or whether it is due to any organic disease. In all such cases X Ray and electro cardiographic examinations of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient and particularly his arm is relaxed, he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from clothes to the shoulder. The cuff, completely deflated should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm and its lower edge an inch or two above the bend of elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied slightly and centrally over it below but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm Hg and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the systolic pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level at which the well heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurement should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Re-checking if necessary should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level, they may disappear as pressure falls and reappear at still lower level. This silent gap may cause error in reading.)

8 The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the result recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical test, the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If except for the glycosuria, the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required they may pass the candidate "fit subject to the glycosuria being non-diabetic" and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical specialist will carry out whatever examination clinical and laboratory he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

9 A women candidate who as a result of test is found to be pregnant of 12 weeks standing or over, should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10 The following additional points should be observed—

(a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard.

- | | |
|---|--|
| (1) Marked or total deafness in one ear other ear being normal | Fit for non technical jobs if the deafness is upto 30 decibel in higher frequency |
| (2) Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid | Fit in respect of both technical and non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibel in speech frequencies of 1000 to 4000 |
| (3) Perforation of tympanic membrane of Central or marginal type | <p>(i) One ear normal other ear perforation of tympanic membrane present Temporarily unfit. Under improved conditions of Ear Surgery a candidate with marginal or other perforation in both ears should be given a chance by declaring him temporarily unfit and then he may be considered under 4(ii) below.</p> <p>(ii) Marginal or attio-perforation in both ears Unfit</p> <p>(ii) Central perforation both ears Temporarily unfit</p> |
| (4) Ears with mastoid cavity sub normal hearing on one side/on both sides | <p>(i) Either ear normal hearing other ear Mastoid cavity Fit for both technical and non-technical jobs</p> <p>(ii) Mastoid cavity of both sides, Unfit for technical job. Fit for non-technical jobs if hearing improves to 30 decibels in either ear with or without hearing aid</p> |
| (5) Persistently discharging ear operated/unoperated | Temporarily Unfit both technical and non-technical jobs |
| (6) Chronic inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal septum | <p>(i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases</p> <p>(ii) If deviated nasal septum is present with symptoms Temporarily unfit</p> |

- | | |
|---|---|
| (7) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx. | (i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx Fit. |
| | (ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then Temporarily Unfit |
| (8) Benign or locally malignant tumours of the L.N.T. | (i) Benign tumours Temporarily unfit. |
| | (ii) Malignant Tumours Unfit. |
| (9) Otosclerosis | If the hearing is within 30 decibels after operation or with the help of hearing aid Fit. |
| (10) Congenital defects of ear, nose or throat | (i) If not interfering with functions Fit. |
| | (ii) Stuttering of severe degree Unfit. |
| (11) Nasal Poly | Temporarily Unfit. |

(b) that his speech is without impediment;

(c) that his teeth are in good order and that he/she is provided with dentures where necessary for effective fastication (well filled teeth will be considered as sound);

(d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient; and that his heart and lungs are sound;

(e) that there is no evidence of any abdominal disease;

(f) that he is not ruptured.

(g) that he does not suffer from hydrocele, severe degree of varicocele, varicose veins or piles;

(h) that his limbs, hands, and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all his joints;

(i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;

(j) that there is no congenital malformation or defect;

(k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;

(l) that he bears marks of efficient vaccination; and

(m) that he is free from communicable disease.

11. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs which may not be apparent by ordinary physical examination.

When any defect is found must be noted in the Certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

NOTE:—Candidates are warned that there is no right of appeal from a Medical Board, special or standing appointed to determine their fitness for the above posts. If, however, Government are satisfied on the evidence produced before them of the possibility of an error of judgment in the decision of the first Board it is open to Government to allow an appeal to a second Board. Such evidence should be submitted within one month of the date of the communication in which the decision of the first Medical Board is communicated to the candidate otherwise no request for an appeal to a second Medical Board, will be considered.

If any medical certificate is produced by a candidate as a piece of evidence about the possibility of an error of judgment in the decision of the first Board, the certificate will not be taken into consideration unless it contains, a note by the medical practitioner concerned to the effect that it has been given in full knowledge of the fact that the candidate has already been rejected as unfit for service by the Medical Board.

Medical Board's Report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner.

The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any, of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the public service who shall not satisfy Government, or the appointing authority, as the case may be, that he has no disease constitutional affection or bodily infirmity unfitting him or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which in only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

Candidates appointed to the posts of Geologists (Jr.) and Assistant Geologists are liable for field service in or out of India. In the case of such a candidate the Medical Board should specifically record their opinion as to his fitness or otherwise for field service.

The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In case where a candidate is declared unfit for appointment in the Government service, the grounds for rejection may be communicated to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In cases where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board.

There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared "Temporarily Unfit" period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum. On re-examination after the specified period these candidates, should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

(a) Candidate's statement and declaration.

The candidate must make the statement required below prior to his Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed to the Warning contained in the Note below:—

1. State your name in full (in block letters)

.....

2. State your age and birth place

.....

2. (a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese, Nagaland Tribals etc. whose average height is distinctly lower. Answer 'Yes' or 'No' and if the answer is 'Yes' state the name of the race.

3. (a) Have you ever had small-pox, intermittent or any other fever enlargement or suppuration of glands, spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease, fainting attacks, rheumatism, appendicitis?

(b) any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment?

4. When were you last vaccinated?

5. Have you suffered any form of nervousness due to over work or any other cause?

6. Furnish the following particulars concerning your family.

Father's age if living, and state of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brothers dead their ages at and cause of death
---	--	--	---

Mother's age if living and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living their ages and state of health	No. of sisters dead their ages at and cause of death
--	--	--	--

7. Have you been examined by a Medical Board before?

8. If answer to the above is 'Yes' please state what Services/posts you were examined for

9. Who was the examining authority?

10. When and where was the Medical Board held?

11. Results of the Medical Boards' examination, if communicated to you or if known.

I declare all the above answers to be to the best of my belief, true and correct.

Candidates Signature.....

Signed in my presence.

Signature of Chairman of the Board.

NOTE:—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed, of forfeiting all claims to superannuation Allowance or Gratuity.

(b) Report of the Medical Board on (Name of candidate) physical examination.

1. General development : Good..... Fair..... Poor

Nutrition : Thin Average Obese

Height (without shoes) Weight

Any recent change in weight

Temperature

Girth of Chest :—

(1) (After full inspiration)

(2) (After full expiration)

2. Skin : any obvious disease

3. Eyes :

(1) Any disease

(2) Night blindness

(3) Defect in colour vision

(4) Field of Vision

(5) Fundus Examination

(6) Visual Acuity

(7) Ability for stereoscopic fusion

Acuity or vision	Naked eye	With glasses	Strength of glasses		
			Sph.	Cyl.	Axis.

Bistant vision
RE
LE

Near Vision
RE
LE

Hypermetropia
(Manifest)
RE
LE

4. Ears : Inspection Hearing : Right Ear
..... Left Ear

5. Glands Thyroid

6. Condition of teeth

7. Respiratory system : Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs?

If yes, explain fully

8. Circulatory System :

(a) Heart and organic lesions

Rate : Standing

After hopping 25 times.....

2 minutes after hopping.....

(b) Blood Pressure : Systolic Diastolic

9. Abdomen : Girth

Tenderness

Hernia

(a) Palpable Liver Spleen

Kidneys Tumours

(b) Haemorrhoids Fistula

10. Nervous System : Indications of nervous or mental disabilities

11. Loco-Motor System : Any abnormality

12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele, Varicocele, etc.

Urine Analysis :

(a) Physical appearance

(b) Sp. Gr.

(c) Albumen

(d) Sugar

(e) Casts

(f) Cells

13. Report of X-Ray Examination of Chest

14. Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the service for which he is a candidate

NOTE.—In case of a female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should be declared temporarily unfit, *vide* regulation 9.

15. (a) For which services has the candidate been examined and found in all respects qualified for the efficient and continuous discharge of his duties and for which of them is he considered unfit?

(b) Is the candidate fit for FIELD SERVICE?

NOTE.—The Board should record their findings under one of the following categories:

- (i) Fit
- (ii) Unfit on account of
- (iii) Temporarily unfit on account of

President

Member

Place

Date:

APPENDIX III

Brief particulars relating to the posts for which recruitment is being made through this examination.

1. Geological Survey of India

(1) Geologist (Junior) Group A—

(a) Candidates selected for appointment will be appointed on probation for a period of two years, which may be extended, if necessary.

(b) Prescribed scales of pay in the Geological Survey of India:—

- (i) Geologist (Jr. Scale)—Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.
- (ii) Geologist (Sr. Scale)—Rs. 1100—50—1600.
- (iii) Director—Rs. 1500—60—1800—100—2000.
- (iv) Deputy Director General—Rs. 2250—125/2—2500—EB—125/2—2750.
- (v) Director General—Rs. 3,000 (fixed).

(c) Promotions to the higher grades of posts in the Department will be made in accordance with the recruitment rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(d) Conditions of service and leave and pension are those described in the Fundamental Rules and Civil Service Regulations respectively, subject to such modification as may be made by Government from time to time.

(e) Conditions of Provident Fund are those laid down in the General Provident Fund (Central Services) Rules, subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(f) All officers of Geological Survey of India are liable for service in any part of India or outside India.

(2) Assistant Geologist Group B—

(a) Candidates selected for appointment will be appointed on probation for a period of two years which may be extended, if necessary.

5—31GI/78

(b) Prescribed scale of pay Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

(c) Recruitment to the Cadre of Geologist (Group A—Junior Scale) will be made partly through the Union Public Service Commission competitive examination, and partly through DPC by promotion from the next lower grade of Assistant Geologist of the Geological Survey of India in accordance with the recruitment rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(d) Conditions of service and leave and pension are those described in the Fundamental Rules and Civil Service Regulations respectively subject to such modification as may be made by Government from time to time.

(e) Conditions of Provident Fund are those laid down in General Provident Fund (Central Services) Rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(f) Assistant Geologists are liable for service anywhere in India or outside India.

2. Central Ground Water Board

(1) Junior Hydrogeologist Group A—

(a) Candidates selected for appointment will be appointed on probation for a period of two years which may be extended, if necessary.

(b) Prescribed scales of pay in the Central Ground Water Board:—

- (i) Junior Hydrogeologist—Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.
- (ii) Senior Hydrogeologist—Rs. 1100—50—1600.
- (iii) Director—Rs. 1500—60—1800—100—2000.
- (iv) Chief Hydrogeologist—Rs. 2250—125—2500.

(c) Promotions to the higher grades of posts in the Department will be made in accordance with the recruitment rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(d) Conditions of service and leave and pension are those described in the Fundamental Rules and Civil Services Regulations respectively, subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(e) Conditions of Provident Fund are those laid down in the General Provident Fund (Central Services) Rules, subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(f) All officers of Central Ground Water Board are liable for service in any part of India, or outside India.

(2) Assistant Hydrogeologist, Group B

(a) Candidates selected for appointment will be appointed on probation for a period of two years which may be extended, if necessary.

(b) Prescribed scale of pay:—Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

(c) Recruitment to the cadre of Junior Hydrogeologist (Group A) will be made partly through the Union Public Service Commission competitive examination and partly through D.P.C. by promotion from the next lower grade of Assistant Hydrogeologist of the Central Ground Water Board in accordance with the recruitment rules subject to such modifications as may be made by the Government from time to time.

(d) Conditions of service and leave and pension are those described in the Fundamental Rules and Civil Services Regulations respectively, subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(e) Conditions of Provident Fund are those laid down in General Provident Fund (Central Services) Rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(f) Assistant Hydrogeologists are liable for Service anywhere in India or outside India.

APPENDIX IV

CANDIDATES' INFORMATION MANUAL

Objective Test

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination you do not write detailed answers. For each question (here-in after referred to as item) several possible answers are given. You have to choose one answer (here-in after referred to as response) to each item.

This manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

Nature of the Test

The question paper will be in the form of test booklet. The booklet will contain items bearing number 1, 2, 3 ... etc. Under each item will be given suggested responses marked a, b, c, etc. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, the best response. See sample question at the end. In any case in each item you have to select only one response; if you select more than one, your answer will be considered wrong.

Method of Answering

A separate answer sheet will be provided to you in the Examination Hall. You have to mark your answer on the answer sheet. Answers marked on the test booklet or in any paper other than the answer sheet will not be examined.

In the answer sheet, numbers of the items from 1 to 200 have been printed in four sections. Against each item responses a, b, c, d, e are printed. After you have read each item in the test booklet and decided which of the given responses is correct or the best, you have to mark the rectangle containing the letter of the response by blackening it completely with the pencil as shown in the enclosed specimen answer sheet. Your answer sheet will be scored by an optical scoring machine. It is, therefore, important that—

1. You use only the pencil provided by the Supervisor; the machine may not read the marks with other pencils or pens correctly.
2. If you have made a wrong mark erase it completely and remark the correct response.
3. Do not handle your answer sheet in such a manner as to mutilate it.

Some Important Rules

1. You are required to enter the examination hall 20 minutes before the prescribed time for starting of the examination and get seated immediately.
2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have passed after the commencement of the examination.
4. After finishing the examination, submit the test booklet and the answer sheet to the Supervisor. **YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL.**
5. Write clearly the name of the examination, your Roll number of the test booklet at the appropriate space

provided in the answer sheet. You are not allowed to write your name anywhere in the answer sheet.

6. You are required to read carefully all instructions given in the test booklet. Since the evaluation is done mechanically, you may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the answer sheet is ambiguous then you will get no credit for that item. Follow the instructions

given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or a section of a test, you must follow his instructions immediately.

7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring an eraser and a pen containing blue or black ink. You are not allowed to bring any scrape or rough paper, scales or drawings instruments into the examination hall, as they are not needed. A separate sheet will be provided to you for rough work. You should write the name of examination/ test, your Roll number and subject of the test and date on it before doing your rough work and return it to the Supervisor alongwith your answer sheet at the end of the test. Answers should be marked by blackening with pencil as indicated above. Red ink should not be used on the answer sheet.

Some Useful Hints

Although the test stresses accuracy more than speed it is important for you to use your time as economically as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

As the possible answers for each question are given, you may wonder whether or not to guess the answers to questions about which you are not certain. If you know nothing about a question, better leave it blank. You will get better marks by omitting to answer such questions than by blind guessing.

The questions are designed to measure your knowledge, understanding and analytical ability, not just memory. It will help you if you review the relevant topics, to be sure that you UNDERSTAND the subject thoroughly.

Special Instructions

After you have taken your seat in the hall the invigilator will give you the answer sheet. Fill up the required information on the answer sheet with your pen. After you have done this the invigilator will give you the test booklet. Each test booklet will be sealed in the margin so that no one opens it before the test starts. As soon as you have got your test booklet, ensure that it contains the booklet number and it is sealed; otherwise get it change. After you have done this, you should write the serial number of your test booklet on the relevant column of the answer sheet. You are not allowed to break the seal of the test booklet until you are asked by the Supervisor to break it.

Conclusion of Test

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Candidates who do not stop will be penalised.

After you have finished answering remain in your seat and wait till the invigilator collects the test booklet and answer sheet from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the test booklet and the answer sheet out of the examination hall. Those who violate this direction are liable to be penalised.

Sample Questions

1. Which one of the following causes is NOT responsible for the down fall of the Mauryan dynasty ?
 - (a) the successors of Asoka were all weak.
 - (b) there was partition of the Empire after Asoka.
 - (c) the northern frontier was not guarded effectively.
 - (d) there was economic bankruptcy during post-Asokan era.
2. In a parliamentary form of Government
 - (a) the Legislature is responsible to the Judiciary
 - (b) the Legislature is responsible to the Executive

- (c) the Executive is responsible to the Legislature
- (d) the Judiciary is responsible to the Legislature
- (e) the Executive is responsible to the Judiciary.

(Answer—c);

- (b) Mars
- (c) Jupiter
- (d) Mercury

(Answer—d)

3. The main purpose of extra-curricular activities for pupils in a school is to

- (a) facilitate development
- (b) prevent disciplinary problems
- (c) provide relief from the usual class room work
- (d) allow choice in the educational programme

(Answer—a)

4. The nearest planet to the Sun is

- (a) Venus

5. Which of the following statements explains the relationship between forests and floods?

- (a) the more the vegetation, the more is the soil erosion that causes floods
- (b) the less the vegetation, the less is the silting of rivers that causes floods.
- (c) the more the vegetation, the less is the silting of rivers that prevents floods
- (d) the less the vegetation, the less quickly does the snow melt that prevents floods.

(Answer—c)

